22 जुलाई 2025
मंगलवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बाढ़ की आशंका के बीच स्वास्थ्य विभाग अलर्टः गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष योजना 2

तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद मामले में बोला सर्वोच्च न्यायालय... गाय तो गाय ही होती है

एजेंसी/नई दिल्ली

♦ उच्च न्यायालय ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से किया इन्कार

सुप्रीम कोर्ट ने तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर संस्थान के प्रबंधक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के खिलाफ दायर उस याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। जिसमें भगवान वेंकटेश की पूजा और भोग प्रसाद में सिर्फ देसी नस्ल की गायों के दूध का इस्तेमाल करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था।

जस्टिस एमएम सुंदरेश व जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हालांकि याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेकर हाईकोर्ट जाने की छूट दे दी। सुनवाई के दौरान जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी की कि गाय तो गाय ही होती है। ईश्वर के प्रति सच्चा प्रेम साथी जीवों की सेवा करने में है, न कि इन मुद्दों में पड़ने के। इससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे समाज में मौजूद हैं। कोर्ट ने कहा कि हम पूरे सम्मान के साथ आपको ये सब बता रहे हैं।

याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि आगमशास्त्रों के अनुसार इसमें भेद है और यह एक अनिवार्य परंपरा है। इस पर जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि यह वर्गीकरण केवल मनुष्यों के लिए है, वो भी भाषा, जाति, समुदाय, राज्य, धर्म आदि के आधार पर किया गया है। ईश्वर सभी मनुष्यों के लिए समान है। दूसरे प्राणियों के लिए भी वह दयालु और समदर्शी हैं। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा कि आप कह सकते हैं कि ईश्वर नहीं चाहते कि दूध देसी गाय दे या किसी और नस्ल की। ईश्वर के पास कुछ और होगा ही। है ना?' वकील ने दलील दी कि भगवान की पूजा तो आगमशास्त्रों के अनुसार ही की जानी चाहिए। इस बाबत टीटीडी का एक प्रस्ताव और आदेश है। हम बस इसे लागू करने की मांग कर रहे हैं। वकील ने कहा कि अदालत टीटीडी को नोटिस जारी कर सकती है ताकि यह पता चल सके कि उनका इस मुद्दे पर क्या कहना है?

जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि आप जो भी अनुष्ठान करते हैं, वह ईश्वर के प्रेम का प्रतीक है, इससे बढ़कर कुछ नहीं। उन्होंने आगे कहा कि हम आपको उच्च न्यायालय जाने की अनुमति देंगे या आपकी इस अर्जी को यहीं खारिज करेंगे। जस्टिस सुंदरेश ने पूछा कि क्या इसमें कोई कानूनी आदेश है? वकील ने कहा कि हमारी प्रार्थना दो संवैधानिक पीठ के निर्णयों के अंतर्गत आती है। इस पर न्यायमूर्ति सुंदरेश ने टिप्पणी की, क्या अब हम ये कहेंगे कि तिरुपति के लड्डू स्वदेशी होने चाहिए? पीठ ने कहा कि हमने वकील की बात सुन ली है। हम इस पर विचार नहीं करना चाहते। अंत में वकील ने कहा कि फिर मुझे हाईकोर्ट जाने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दें। कोर्ट ने इजाजत दे दी।

कस्टोडियल टॉर्चर केस में एससी ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को फरवरी 2023 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में जॉइंट इंटेरोगेशन सेंटर में एक पुलिस कांस्टेबल को कथित तौर पर हिरासत में प्रताड़ित करने के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह भी आदेश दिया कि जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों को एक महीने के भीतर गिरफ्तार किया जाए। अदालत ने पुलिस कांस्टेबल खुर्शीद अहमद चौहान को 50 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया और उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 309 (आत्महत्या के प्रयास का) के तहत दर्ज मामला भी रद्द कर दिया। आत्महत्या के प्रयास के मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने से जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट द्वारा इन्कार किए जाने के बाद खुर्शीद अहमद चौहान ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि इंटेरोगेशन सेंटर में 20 से 26 फरवरी, 2023 तक अवैध हिरासत के दौरान उन्हें घोर यातनाएं दी गईं। उनकी अपील को स्वीकार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस एफआईआर के तहत आपराधिक कार्रवाई जारी रखने की अनुमति देना न्याय का उपहास होगा। खुर्शीद अहमद चौहान को कस्टडी में यातना देने के आरोपों की सीबीआई जांच का निर्देश देते हुए, शीर्ष अदालत ने कुपवाड़ा के इंटेरोगेशन सेंटर में व्याप्त प्रणालीगत मुद्दों की भी जांच करने का आह्वान किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह पता लगाया जाना जरूरी है कि क्या संरचनात्मक या संस्थागत विफलताओं ने आरो?पी पुलिसकर्मियों को यह आत्मविश्वास दिया कि उन्हें उनके किए के लिए कोई सजा नहीं मिलेगी? आरोपियों में इस डर के नहीं होने के कारण कथित दुर्व्यवहार हुआ। शीर्ष अदालत ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को एफआईआर दर्ज होने की तारीख से तीन महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया।

उच्चस्तरीय बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दिय अधिकारियों को सख्त आदेश

पूर्वी पाक के विस्थापितों को भूमि का अधिकार देगी यूपी सरकारः योगी

♦ विस्थापितों का राजस्व अभिलेखों में अब तक नहीं हो पाया नाम दर्ज

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर प्रदेश में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने के लिए ठोस और संवेदनशील कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसे महज भूमि हस्तांतरण नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष और बलिदान को सम्मान देने का कार्य बताया।

बांग्लादेश से विस्थापित होकर बड़ी संख्या में लोग यूपी में आकर रुके थे। सीएम योगी ने अधिकारियों की बैठक में कहा कि यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है कि हम इन विस्थापित परिवारों के साथ संवेदनशील और सम्मानपूर्ण व्यवहार करें। उन्होंने अपनी जड़ें छोड़कर भारत में शरण ली थी और आज भी पुनर्वास की उम्मीद में जी रहे हैं। अब उन्हें उनका हक मिलना ही चाहिए।

विभाजन के बाद 1960 से 1975 के बीच हजारों परिवार पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर भारत आए थे। इनमें से बड़ी संख्या को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जैसे जिलों में बसाया गया था। प्रारंभ में इन्हें ट्रांजिट कैंपों में रखा गया। बाद के समय में विभिन्न गांवों में कृषि भूमि आवंटित कर पुनर्वासित किया गया। हालांकि, कानूनी और प्रशासनिक बाधाओं के चलते ये परिवार आज भी वैध भूस्वामी नहीं बन सके हैं। भूमि के अभिलेखों में नाम न होना, वन विभाग के नाम जमीन दर्ज होना, नामांतरण की प्रक्रिया का लंबित रहना और वास्तविक कब्जा न होना जैसी समस्याएं आज भी बनी हुई हैं।

कागजों में अब तक नहीं बसेः सीएम योगी को अवगत कराया गया कि कई विस्थापित परिवारों ने भूमि पर वर्षों से खेती कर स्थायी आवास भी बना लिए हैं। राजस्व अभिलेखों में अब तक उनके नाम दर्ज नहीं हो पाए हैं, जबकि कुछ स्थानों पर वे परिवार ही नहीं बचे, जिनका नाम दस्तावेजों में दर्ज है। कुछ मामलों में जमीन पर कब्जा करने की प्रक्रिया कानूनी नहीं रही, जिससे विवाद और जटिलता बढ़ी है। बैठक में यह भी बताया गया कि जिन मामलों में पहले गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट के तहत भूमि आवंटित की गई थी, वह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से वर्तमान कानूनी ढांचे के तहत नए विकल्प तलाशने को कहा है, ताकि पात्र परिवारों को उनका हक मिल सके। वे अपनी जमीन का अधिकार हासिल करें। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस प्रयास को सिर्फ पुनर्वास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी करार दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह पहल जल्द पूरी हो और जिन गांवों में आज भी विस्थापितों का अस्तित्व नहीं है, वहां स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर उचित निर्णय लिए जाएं।

वर्षों बाद सीएम योगी से मिले बृजभूषण शरण सिंह

लखनऊ। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। लंबे समय से एक दूसरे से दूरी बनाए दोनों नेताओं की करीब तीन साल बाद हुई मुलाकात से सियासी हलचल बढ़ गई है। इसके तरह-तरह के मायने निकाले जा रहे हैं। सीएम और पूर्व सांसद के बीच करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में बातचीत हुई। हालांकि सोशल मीडिया पर इस मुलाकात सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है। वहीं, बृजभूषण शरण सिंह ने कहा सीएम प्रदेश के मुखिया हैं तो मुलाकात का कोई सियासी मायने नहीं निकाला जाना चाहिए।

सीएम से मुलाकात के बाद मीडिया से हुई अनौपचारिक बातचीत में पूर्व सांसद ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि बातचीत में कोई खास बात तो नहीं थी, अलबता मुलाकात होना ही खास बात है। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह और सीएम से करीब लंबे समय से संवाद नहीं होने की बात कही जा रही है। कई बार बृजभूषण के बयानों से इस बात के कयास भी लगाए जा रहे थे कि वह सरकार से नाराज चल रहे हैं। यही नहीं, बृजभूषण ने कई बार अपने बयानों से प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। कई बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को छोटा भाई बताते हुए उनकी जमकर तारीफ करके भी उन्होंने सियासी चचाओं को जन्म दिया। कई मौकों पर पूर्व सांसद ने सीएम से मुलाकात के सवालों पर यह कहते भी रहे हैं कि जब चाहेंगे, तब सीएम से मुलाकात कर लेंगे। सीएम से मिलने में उनके साथ ऐसी कोई दिक्कत नहीं है। सोमवार की शाम को अचानक पांच कालीदास पहुंचे बृजभूषण को देख वहां के लोग भी हैरान रहे।

नासा-इसरो का संयुक्त निसार मिशन 30 जुलाई को होगा लॉन्च

नई दिल्ली। नासा-इसरो का संयुक्त निसार मिशन 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया जाएगा। करीब 1.5 अरब डॉलर की लागत से तैयार यह सैटेलाइट अब तक का सबसे महंगा अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट होगा। इसरो ने 30 जुलाई के लॉन्च की आज आधिकारिक घोषणा कर दी है।

जीएसएलवी-एफ16 इस सैटेलाइट को 743 किलोमीटर ऊंचे सन-साइक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करेगा, जिसका झुकाव 98.40 डिग्री होगा। निसार धरती की निगरानी करने वाला दुनिया का पहला सैटेलाइट है। इसमें दो अलग अलग बैंड के रडार हैं। यही वजह है कि यह घने जंगल के नीचे भी आसानी से रडार के जरिए डाटा एकत्र करेगा। यह पहला सैटेलाइट होगा जो पृथ्वी की निगरानी दोहरे फ्रीक्वेंसी (नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड वाले) सिंथेटिक अपर्चर रडार से करेगा। इसरो ने जारी बयान में बताया कि यह सैटेलाइट पृथ्वी को स्कैन करेगा और इसमें हाई रिजॉल्यूशन के साथ, पहली बार स्वीपएसएआर तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह पृथ्वी पर हो रहे बदलावों को रिकॉर्ड करेगा। यह हर 12 दिन में दो बार ऐसा करेगा। इससे हमें पता चलेगा कि धरती पर जमी बर्फ कितनी है, जमीन कैसी है, इकोसिस्टम कैसे बदल रहा है, समुद्र का जलस्तर कितना बढ़ रहा है और भूजल स्तर में क्या बदलाव हो रहे हैं।

बिहार में ग्रामीण टोला संपर्क निश्चय योजना के तहत बनी 3968 किमी से अधिक सड़कें

♦ राज्य के 4618 बसावटों में 3968.11 किमी की सड़कों का निर्माण पूर्ण

केटी न्यूज/पटना

बिहार में ग्रामीण इलाकों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित ग्रामीण टोला संपर्क निश्चय योजना (जीटीएसएनवाई) के तहत वर्ष 2025-26 की प्रगति दशार्ने वाली नई उपलब्धियां सामने आई हैं। इस योजना के तहत अबतक 4618 बसावटों में 3968.11 किलोमीटर की सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। राज्य के 38 जिलों में योजना को तीव्र गति से लागू किया जा रहा है। निर्माण कार्य की प्रगति पर नजर डालें तो सबसे अधिक 406.37 किमी सड़कों का निर्माण सुपौल जिले में हुआ है। इसके अतिरिक्त किशनगंज में 322.85 किमी, पूर्वी चंपारण में 240.62 किमी, सीवान में 235.78 किमी, पश्चिम चंपारण में 222.16 किमी, अररिया में 207.14 किमी, कटिहार में 193.98 किमी, गया में 191.81 किमी, सारण में 187.09 किमी और वैशाली में 170.30 किमी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है।

29 जिलों में शत-प्रतिशत कार्य पूर्णः सघन निरीक्षण और निगरानी के कारण कई जिलों में शत-प्रतिशत कार्य गुणवत्ता के मानकों के अनुरूप पूरे कर लिए गए हैं। इनमें अररिया, अरवल, औरंगाबाद, बांका, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, दरभंगा, गया, गोपालगंज, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज, लखीसराय, मधेपुरा, मधुबनी, मुंगेर, नालंदा, नवादा, पूर्णिया, रोहतास, सहरसा, समस्तीपुर, शेखपुरा, शिवहर, सीवान और पश्चिम चंपारण के संपर्क विहीन बसावटों को पक्की सड़क से जोड़ दिया गया है। वहीं, नवीनतम जानकारी के अनुसार 9.19 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस योजना के तहत गुणवत्ता नियंत्रण पर विशेष ध्यान दिया गया है।

ग्रामीण कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि : ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि ग्रामीण कनेक्टिविटी के क्षेत्र में यह एक बड़ी उपलब्धि है। हमारा लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी बसावट संपर्कविहीन न रहे। ये राज्य सरकार की प्रतिबद्धता और विभाग के परिश्रम का प्रमाण है। हमने हर सड़क निर्माण में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन किया है। आने वाले दिनों में शेष बची बसावटों को भी जोड़ने का कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। राज्य सरकार का पूरा फोकस ग्रामीण बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ कर आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने पर है।

पेपरलेस होगा दिल्ली विस का मानसून सत्र

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र अगस्त के पहले हफ्ते में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पूरी तरह से डिजिटल प्रक्रियाओं को अपनाने पर खास जोर दिया जाएगा।

इसके लिए सभी विधायकों को एप्लिकेशन के इस्तेमाल के लिए तीन दिवसीय ट्रेनिंग दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार इस सत्र से पहले विधायकों के लिए नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होगा, ताकि पेपरलेस कार्यवाही में सुगमता सुनिश्चित की जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता विधानसभा कैंपस में नवस्थापित नेवा ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन करेंगे। यह कार्यक्रम 23 जुलाई तक चलेगा। ये ट्रेनिंग सेंटर संसदीय कार्य मंत्रालय के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा संचालित किया जाएगा। इस बारे में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि डिजिटल बदलाव अब एक विकल्प नहीं, बल्कि जन-केंद्रित कानून बनाने के लिए एक जरूरत है। गुप्ता ने कहा कि प्रशिक्षण केंद्र और कार्यक्रम का शुभारंभ दिल्ली विधानसभा की उस सक्रिय पहल को दशार्ता है जो आधुनिक, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित विधायी प्रथाओं के साथ विधायी प्रक्रियाओं को संरेखित करने की दिशा में है।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिया इस्तीफा

एजेंसी/नई दिल्ली

देश के उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफा के बाद अब राजनीतिक गलियारे में तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। धनखड़ 2022 में उपराष्ट्रपति बने थे, 2027 में उनका कार्यकाल खत्म हो रहा था लेकिन आज अचानक से उन्होंने अपने पद से स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया।

धनखड़ के इस्तीफा के बाद अब जो नई जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक के संसद के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही खत्म होने के बाद उन्होंने विपक्षी सांसदों से आज शाम 6:00 बजे मुलाकात की थी। इस मुलाकात के ठीक साढ़े तीन घंटे के भीतर धनखड़ ने उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दिया। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या उपराष्ट्रपति पद से धनगर के इस्तीफा के पीछे कोई सियासी वजह भी है? धनखड़ के इस्तीफा के बाद विपक्षी सांसदों की तरफ से जो बातें निकलकर आ रही हैं उसके मुताबिक आज शाम 6 बजे जब उनकी मुलाकात उपराष्ट्रपति से हुई तो ऐसा नहीं लगा कि वह अपने पद से इस्तीफा देने वाले हैं। विपक्षी सांसदों के उपराष्ट्रपति के साथ इस मीटिंग के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी अपने आवास पर विपक्ष के प्रमुख नेताओं के साथ एक बैठक की थी। उपराष्ट्रपति के पद से जगदीप धनखड़ ने ऐसे वक्त में इस्तीफा दिया है जब संसद का मानसून सत्र अभी शुरू हुआ है। यह सवाल भी उठना लाजिमी है कि क्या अपने इस्तीफे के पहले उन्होंने सरकार में शामिल प्रमुख लोगों से कोई चर्चा की?

बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी बड़ी खबर...

उपभोक्ताओं को पहले 125 यूनिट के लिए नहीं करना होगा रिचार्ज

केटी न्यूज/पटना

बिहार में स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बिजली का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी बड़ी खबर है। राज्य सरकार ने 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना के तहत अब स्मार्ट प्रीपेड उपभोक्ताओं को पहले 125 यूनिट के लिए कोई रिचार्ज नहीं करना होगा।

हालांकि, 125 यूनिट से ज्यादा खपत होने पर रिचार्ज करना अनिवार्य होगा। ऊर्जा विभाग के अनुसार बिहार में करीब 60 लाख घरेलू उपभोक्ताओं के घर स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 17 जुलाई को इस योजना की घोषणा की थी, जिसे 18 जुलाई को राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी। यह योजना 1एक अगस्त 2025 से लागू होगी, लेकिन जुलाई महीने के बिल में इसका लाभ मिलने लगेगा। जो उपभोक्ता जुलाई महीने में पहले ही रिचार्ज कर चुके हैं, उनके खाते में 125 यूनिट का पैसा बैलेंस के रूप में जमा कर दिया जाएगा। यह बैलेंस अगस्त में जारी होने वाले ऊर्जा बिल में साफ तौर पर दिखेगा। ऊर्जा विभाग के अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक रिचार्ज करने की जरूरत नहीं है, लेकिन अगर किसी उपभोक्ता पर बकाया है, तो उसकी राशि प्रतिदिन के आधार पर काटी जाती रहेगी, और ऐसे मामलों में रिचार्ज करना पड़ेगा।

ऐसे मिलेगा उपभोक्ताओं को लाभः जानकारी के अनुसार अगर किसी उपभोक्ता ने महीने में 200 यूनिट बिजली खर्च की, तो पहले 125 यूनिट मुफ्त माने जाएंगे। शेष 75 यूनिट पर ही उपभोक्ता को रिचार्ज करना होगा, जो मौजूदा सब्सिडी रेट पर ही लागू रहेगा। बाते चलें कि शहरी उपभोक्ताओं को पहली 100 यूनिट पर 4.12 प्रति रुपये यूनिट के लिए भुगतान करना पड़ता है। 100 यूनिट से ऊपर की खपत पर 5.52 प्रति यूनिट की दर से शुल्क लिया जाता है। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के चेयरमैन सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह ने कहा है कि जो उपभोक्ता 125 यूनिट से अधिक बिजली उपयोग करते हैं, उन्हें भी मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत पहले की तरह सब्सिडी दर पर ही बिजली दी जाएगी। इस योजना से राज्य का हर घरेलू उपभोक्ता कवर होगा, कोई भी परिवार इससे वंचित नहीं रहेगा।

निर्वाचक सूची शुद्धिकरण को लेकर प्रशासन सख्त, 22 जुलाई तक सभी लंबित कार्य करें पूर्ण

♦ प्रखंडों में अधिकारियों को सौंपा गया विशेष दायित्व, पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करना प्राथमिकता

केटी न्यूज/केसठ/नावानगर

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जोरों पर है। इस क्रम में डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को नावानगर प्रखंड कार्यालय में एक अहम समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बीएलओ, बीएलए, पर्यवेक्षक तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान एसडीएम ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े सभी लंबित कार्यों को 22 जुलाई तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि समयसीमा के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मूल आत्मा मतदाता ही होते हैं, और उनकी सही पहचान तथा समावेश सुनिश्चित करना चुनाव प्रक्रिया की पहली कड़ी है। इसलिए बीएलओ और बीएलए को हर मतदान केंद्र स्तर पर सक्रिय रहकर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी पर्यवेक्षकों को अपने-अपने क्षेत्र में सतत निगरानी रखने और दैनिक प्रगति की रिपोर्ट देने को कहा गया है। इसके अतिरिक्त एसडीएम ने प्रखंड विकास पदाधिकारी, नावानगर को विशेष जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देश दिया कि वे पूरे कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि मृत व्यक्तियों के नाम हटाने, फर्जी नामों की पहचान करने और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता से होनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि निर्वाचन आयोग का स्पष्ट निर्देश है कि मतदाता सूची की त्रुटिरहित तैयारी ही पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव की आधारशिला है।

डुमरांव में बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक

डुमरांव। आगामी प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से पहले डुमरांव प्रखंड में मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राजपुर विधानसभा क्षेत्र और डुमरांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 135 मतदान केंद्रों पर मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारियों और राजनीतिक दलों के बीएलए की संयुक्त बैठकें आयोजित की गई।बैठक का उद्देश्य विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा करना और सूची में पाई जाने वाली त्रुटियों को चिन्हित कर उन्हें समय पर दुरुस्त करना था। इस अवसर पर बीएलओ द्वारा अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। खासकर मृत मतदाताओं, स्थानांतरित मतदाताओं और दोहरी प्रविष्टियों से संबंधित सूचनाओं को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह भी बताया गया कि कई मतदाताओं द्वारा अभी तक गणना प्रपत्र (फॉर्म-6) उपलब्ध नहीं कराया गया है। ऐसे मतदाताओं की सूची भी बैठक में प्रस्तुत की गई, ताकि बीएलए के माध्यम से संबंधित जानकारी उन्हें दी जा सके और प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

एक नजर

पीएम किसान सम्मान निधि के लाभुकों का शिविर में किया गया ई-केवाईसी

केसठ। प्रखंड के केसठ पंचायत स्थित ई-किसान भवन के परिसर में सोमवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का ई-केवाईसी के लिए शिविर लगाया गया।इस दौरान जमीन का वेरिफिकेशन भी किया गया।शिविर का नेतृत्व किसान सलाहकार अमरेंद्र कुमार ने किया। किसान सलाहकार ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों को सरकार के तहत ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। शिविर में सात किसानों का ई-केवाईसी एवं जमीन वेरिफिकेशन कराया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों को सरकार के तहत ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। किसान सलाहकार ने संबंधित राजस्व ग्राम के सभी लाभार्थियों से संबंधित कागजात के साथ ई-केवाईसी कराने की अपील की है। ताकि आने वाले माह में उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का समुचित लाभ मिल सके। साथ ही कृषि विभाग के तहत संचालित सभी योजनाओं का लाभ भी वे प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि मंगलवार को भी ई-किसान भवन पर शिविर का आयोजन किया जाएगा।

गांजा की खेप के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, जेल

डुमरांव। कोरानसराय पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के कोरानसराय केसठ नहर मार्ग से गांजा की खेप के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पुलिस ने 1.890 ग्राम गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नावानगर थाना क्षेत्र के खरवनिया गांव निवासी पप्पू कुमार सिंह उर्फ विद्याभूषण पिता स्व. हीरा सिंह तथा शशिकांत सिंह पिता स्व. सत्यनारायण सिंह शामिल है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि पप्पू का अपराधिक इतिहास है तथा वह लंबे समय से मादक पदार्थ की तस्करी कर रहा है। इस संबंध में कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर नहर मार्ग स्थित ईंट भट्ठा के पास से दोनों को गांजा के साथ गिरफतार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि मादक पदार्थो के तस्कर इस मार्ग से गांजा की खेप लेकर जाने वाले है। इस सूचना पर पुलिस टीम को ईंट भट्ठा के पास तैनात किया गया था। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों के खिलाफ एनडीपीएस ऐक्ट में एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मादक पदार्थों व शराब की तस्करी करने वालों के खिलाफ सघन अभियानव चलाया जा रहा है।

संपूर्ण टीकाकरण को लेकर डुमरांव में समीक्षा बैठक, छूटे लाभार्थियों की सूची बनाने का निर्देश

डुमरांव। डुमरांव प्रखंड के सभागार में सोमवार को नियमित टीकाकरण अभियान को लेकर एएनएम और आशा कार्यकताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बअध्यक्षता पीएचसी प्रबंधक अफरोज आलम ने की। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी एवं लक्ष्य आधारित बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। बैठक के दौरान सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में उन गर्भवती महिलाओं और बच्चों की पहचान करें, जो किसी कारणवश टीकाकरण से वंचित रह गए हैं। इनकी सूची बनाकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संपूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया जाए। पीएचसी प्रबंधक अफरोज आलम ने बताया कि हाल के महीनों में टीकाकरण की गति में सुधार हुआ है, परंतु अब भी कुछ क्षेत्रों में लाभार्थियों की पहचान और फॉलो-अप की आवश्यकता है। उन्होंने टीकाकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह बच्चों के रोग प्रतिरोधक तंत्र को सशक्त बनाता है और उन्हें गंभीर व जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है।

पुराना भोजपुर में कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक जख्मी, रेफर

डुमरांव। पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुराना भोजपुर गांव के समीप एक तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना रविवार की रात्रि की है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय नया भोजपुर पुलिस ने दोनों को उठा इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी चिंताजनक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें वाराणसी रेफर कर दिया है। बताया जाता है कि बीएचयू के ट्रामा सेंटर में दोनों जख्मियों का इलाज कराया जा रहा है। जख्मियों की पहचान डुमरांव के राजगढ़ चौक निवासी दिलशाद खां पिता नेसार खां व राहुल कुमार पिता संजय कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार दोनों एक बाइक पर बैठ किसी जरूरी काम से नवाडेरा की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान पुराना भोजपुर के समीप उन्हें एक कार चालक ने टक्कर मार दिया। टक्कर मारने के बाद कार चालक अना वाहन छोड़ फरार हो गया है। पुलिस उक्त कार को जब्त कर थाने ले गई है तथा उसके रजिस्टेज्शन नंबर के आधार पर चालक के पहचान के प्रयास में जुट गई है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि जल्दी ही कार चालक की शिनाख्त कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, समाचार लिखे जाने तक इस मामले में पीड़ित पक्ष ने केस दर्ज नहीं कराया गया था।

डीएम ने रामरेखा घाट और मुक्तिधाम का लिया जायजा, सदर एसडीओ को दिया सख्त निर्देश

सावन में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बक्सर प्रशासन सक्रिय : जिलाधिकारी

केटी न्यूज/बक्सर

श्रावणी मास की शुरूआत के साथ ही बक्सर के रामरेखा घाट और मुक्तिधाम पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। इसी क्रम में सोमवार को डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने घाटों की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश जारी किए ताकि धार्मिक आस्था से जुड़ा यह महीना श्रद्धालुओं के लिए सुगम, सुरक्षित और स्वच्छ बना रहे।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने घाटों पर श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखा और इस बात पर चिंता जताई कि भीड़ के कारण घाटों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने मौके पर मौजूद कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद को निर्देशित किया कि सभी प्रमुख घाटों की दैनिक सफाई और समुचित स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही श्रद्धालुओं की आवाजाही के रास्तों को जल-जमाव और कचरे से मुक्त रखा जाए। डॉ. सिंह ने यह भी कहा कि घाट क्षेत्र में किसी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए अस्थायी कंट्रोल रूम की व्यवस्था की जाए, जिससे आपातकालीन सहायता तत्काल उपलब्ध हो सके। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को यह स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान एक गंभीर समस्या के रूप में अतिक्रमण की स्थिति सामने आई। घाट से सटे मार्गों पर कई दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है। इस पर डीएम ने सदर एसडीओ को सख्त निर्देश दिया कि नगर परिषद, पुलिस प्रशासन और अंचल कार्यालय के साथ संयुक्त अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाए ताकि रास्तों को चौड़ा और सुगम बनाया जा सके। इसके अलावा, गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से मुक्तिधाम में दाह संस्कार के लिए स्थान की कमी हो गई है। इस पर डीएम ने नगर परिषद को निर्देश दिया कि वैकल्पिक व्यवस्था के तहत अस्थायी चबूतरे या फ्लोटिंग मंच की संभावना पर त्वरित कार्य किया जाए।

सावन सोमवारी पर भारी वाहनों की नो-इंट्री, भारी वाहनों का लगा तीन किलोमीटर तक लंबी कतार

बक्सर। सावन माह की सोमवारी पर शिवभक्तों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई थी रविवार रात से ही नो-इंट्री का आदेश लागू कर दिया गया था, जो सोमवार को भी प्रभावी रहा।

इस क्रम में दूसरी सोमवारी पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत दानी कुटिया के पास प्रशासन द्वारा बेरिकेडिंग लगाकर भारी वाहनों को रोक दिया गया। लेकिन सिंगल लेन होने के कारण चौसा-बक्सर मार्ग पर तीन किलोमीटर तक ट्रकों की लंबी कतार लग गई। इससे छोटे वाहन और आम यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रुक-रुक कर जाम की स्थिति बनी रही, जिसे हटाने में पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ सुबह से ही महादेवा घाट, नाथ बाबा, रामरेखा घाट मंदिर सहित अन्य शिवालयों में उमड़ने लगी थी। दूरदराज से आए कांवरिया श्रद्धालु पैदल यात्रा करते हुए मंदिरों की ओर बढ़ते नजर आए। ऐसे में प्रशासन ने सभी संवेदनशील मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की थी। बक्सर एसडीओ और एसडीपीओ खुद फील्ड में स्थिति की निगरानी कर रहे थे। ट्रैफिक नियंत्रण को लेकर कई स्थानों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की गई थी। थानाध्यक्ष शम्भू भगत ने

बताया कि नो-इंट्री रात दस बजे समाप्त किया जाएगा।

वही बताया गया को कावरिया व आमजन की सुविधा के लिए जगह-जगह पुलिस बल की व्यवस्था की गई। जाम न हो इसके लिए सतकर्ता बरती जा रही है। लोगों से अपील की गई वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और अनावश्यक वाहन लेकर सड़क पर न निकलें। वहीं दूसरी ओर लगातार सड़क जाम होने से स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक समस्या स्कूली बच्चों को रही है। उनका वाहन जाम में फंस जा रहा है। जिस कारण उनका सुबह में पढ़ाई बाधित हो रही है। कई बार तो स्कूली बस एक से डेढ़ घंटा तक लेट हो जा रहा है। हालांकि इससे निपटने के लिए प्रशासन कोई पहल नही कर रहा है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी. नस. गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरांव

बाढ़ की आशंका के बीच अलर्ट मोड में स्वास्थ्य विभाग, गर्भवती महिलाओं व गंभीर मरीजों के लिए विशेष योजना

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि ने प्रशासन और आमजन की चिंता बढ़ा दी है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। जिला स्वास्थ्य समिति ने सभी पीएचसी और सीएचसी को अलर्ट मोड में रखते हुए आवश्यक दवाएं, संसाधन और विशेष व्यवस्था सुनिश्चित कर दी है।

मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सीएस) डॉ. शिवकुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने केशव टाइम्स से बातचीत में बताया कि जिले में बाढ़ प्रभावित इलाकों की पहचान कर वहां स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही सक्रिय कर दी गई हैं। इन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से एंटी वेनम इंजेक्शन, बुखार, डायरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों की दवाएं भेजी जा चुकी हैं। साथ ही बच्चों और गर्भवती महिलाओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त चिकित्सा सामग्री भी भिजवाई जा रही है।सीएस ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है कि किसी भी आपात स्थिति में लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध हो जाएं।

इसके लिए विभाग द्वारा संभावित प्रभावित इलाकों में गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की सूची तैयार कर ली गई है। इस सूची के आधार पर दवा वितरण और चिकित्सकीय सहायता की योजना बनाई गई है, ताकि जरूरतमंदों को प्राथमिकता दी जा सके।इसके अलावा मोबाइल मेडिकल यूनिट और मेडिकल टीमों को भी तैयार रखा गया है जो जरूरत पड़ने पर बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में जाकर शिविर के माध्यम से इलाज और दवाएं वितरित करेंगी।

बाढ़ की स्थिति बिगड़ने से पहले ही स्वास्थ्य विभाग की सक्रियता से यह स्पष्ट है कि जिला प्रशासन हर स्तर पर जनस्वास्थ्य को सुरक्षित रखने की दिशा में मुस्तैदी से जुटा है। यह प्रयास किया जा रहा है कि मरीजों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

वेतन, पेंशन व बकाए अनुदान के भुगतान की मांग पर अड़े कर्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

वित्त रहित शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर नया भोजपुर के एपी शर्मा भोज उच्च विद्यालय के कर्मियों ने सोमवार को विद्यालय परिसर में काला बिल्ला लगा विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन वेतन, पेंशन व बकाए अनुदान की एकमुश्त भुगतान की मांग पर राज्यभर में किया गया। इस दौरान कर्मियों ने कहा कि वित्त रहित शिक्षक अपनी इस मांग के समर्थन में विधानमंडल तथा मुख्यमंत्री के समक्ष विरोध प्रदर्शन करेंगे। काला बिल्ला लगा विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व बिरेन्द्र सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वित्त रहित कर्मियों के साथ शुरू से ही सौतेला व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन को धरातल पर उतारने में वित्त रहित विद्यालयों के शिक्षकों ने मील के पत्थर स्थापित किए है। बावजूद सरकार हमारे साथ नाइंसाफी कर रही है। उन्होंने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री से बकाए वेतन, रिटायर्ड कर्मियों के पेंशन तथा बकाए अनुदान की एकमुश्त भुगतान की मांग की जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार हमारी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं करती है तो अब आंदोलन को तेज किया जाएगा। इस दौरान शिक्षकों का कहना है कि लगातार पूर्व से मांग की जा रही है।

हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर टाल मटोल सरकार कर रही है। परंतु इस बार हमलोग चुकने वाले वाले नहीं है। अपना हक लेकर ही मानेंगे। इससे कम पर पीछे हटने वाले नहीं है। मौके पर मो. माज, मो. शहाबुद्दीन खां, हरेन्द्र प्रसाद, मो. तारीक, मो. फारूक, मो. असगर, सत्येन्द्र, गोवर्धन वर्मा, रामजतन पांडेय, ढुनमुन यादव, अखिलेश प्रसाद समेत कई अन्य वित्त रहित शिक्षक मौजूद थे।

खराब पड़े चापाकल की मरम्मति कराई गई

केसठ। ग्राम नचाप में कई महीनों से खराब पड़े सरकारी चापाकल की आखिरकार मरम्मति कर दी गई, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। यह चापाकल लंबे समय से बंद पड़ा था, जिससे पानी की समस्या उत्पन्न हो गई थी। ग्राम निवासी धमेन्द्र पासवान ने लोक शिकायत में परिवाद दायर कर चापाकल की मरम्मति की मांग की थी। परिवाद पर संज्ञान लेते हुए इसकी मरम्मति करायी गई।

शस्त्र का सत्यापन नहीं कराने पर जिला प्रशासन ने लाइसेंस रद्द करने की दी चेतावनी

सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के लिए 28 से 31 जुलाई तक शस्त्र सत्यापन

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी 2026 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए बक्सर जिला प्रशासन ने स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। जिले के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने लाइसेंसी हथियारों और कारतूसों का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन निर्धारित तिथियों में कराएं।

इसके लिए प्रशासन ने 28 जुलाई से 31 जुलाई तक का समय निर्धारित किया है। बता दें कि पूर्व में 21 से 27 जून तक यह सत्यापन अभियान चलाया गया था, लेकिन बड़ी संख्या में अनुज्ञप्तिधारियों ने अपने शस्त्रों का सत्यापन नहीं कराया।

ऐसे सभी लोगों को अंतिम अवसर देते हुए अब पुनः चार दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र में मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो थाना स्तर पर संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों के शस्त्र एवं कारतूस का भौतिक सत्यापन करेंगे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सत्यापन प्रक्रिया प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी। अनुज्ञप्तिधारी को अपने शस्त्र, कारतूस तथा अनुज्ञप्ति पुस्तिका के साथ स्वयं उपस्थित होंगे, यह अनिवार्य है।

बिना स्वंय उपस्थित हुए सत्यापन की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शस्त्र प्रस्तुत किया जाता है तो वह जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 70 वर्ष से अधिक आयु के अनुज्ञप्तिधारियों की शारीरिक स्थिति का भी मूल्यांकन किया जाएगा ताकि यह तय किया जा सके कि वे शस्त्र संचालन के योग्य हैं या नहीं। दण्डाधिकारी एवं थानाध्यक्ष द्वारा सत्यापन के उपरांत संयुक्त हस्ताक्षर कर प्रतिवेदन जमा किया जाएगा।

जिला प्रशासन ने सख्त लहजे में कहा है कि आदेश की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध आयुध अधिनियम, 1959 के तहत अनुज्ञप्ति निलंबन या रद्दीकरण की कार्रवाई की जाएगी। यह कदम कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से उठाया गया है ताकि विधानसभा चुनाव निष्पक्ष, भयमुक्त और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश मंदिर में वार्षिक उत्सव संपन्न

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के प्रसिद्ध श्री लक्ष्मी वेंकटेश मंदिर में चल रहे वार्षिक उत्सव के तीसरे दिन एक दिव्य और भव्य आयोजन संपन्न हुआ। भक्तों की भावनाओं और आस्था से ओतप्रोत इस पावन अवसर पर भगवान वेंकटेश्वर और मां भगवती पद्मावती का पाणिग्रहण संस्कार पूरे वैदिक विधि-विधान से संपन्न किया गया। शास्त्रों में वर्णित परंपराओं का पूर्ण पालन करते हुए इस विवाह समारोह को अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव से सम्पन्न किया गया। मंदिर प्रांगण मंत्रोच्चारण, घंटियों और शंखनाद से गुंजायमान रहा। पाणिग्रहण संस्कार के उपरांत, मंदिर समिति की ओर से भक्तों के लिए महाप्रसादम वितरण का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने परिवार के लोगों के साथ चलाया हल, किया धनरोपनी

रांची, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने रविवार को अहले सुबह अपने बनोहोरा स्थित पैतृक खेत में परिवार के लोगों एवं बच्चों के साथ धनरोपनी करने दोन खेत में उतरे। इस दौरान उन्होंने कुदाली से मेड बनाया। फिर खेत में हल चलाया। इसके बाद उन्होंने धनरोपनी किया। घर के बच्चे व अन्य लोग भी साथ में रोपा कर काफी उत्साहित नजर आई। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. अनुज लुगुन के मशहूर गीत रोपा रोपे गेले रे डिंडा दंगोड़ी गुन्गु उपारे जिलिपी लगाये के माध्यम से किसानों की मेहनत और आत्मगौरव का बखान किया। वहीं बन्धु तिर्की ने ईश्वर से प्रार्थना की कि इस वर्ष सभी लोगों के खेत लहलहाए और किसानों को उनकी मेहनत का फल मिले।

देवघर के कांवरिया पथ पर औरंगाबाद सेवा शिविर, पैदल बाबाधाम जाने वाले सभी कांवरियों को मिल रही नि : शुल्क सुविधाएं

देवघर, एजेंसी। सावन की दूसरी सोमवारी पर बाबा धाम में कांवरियों का जन सैलाब उमड़ रहा है। सुल्तानगंज से कांवर लेकर 105 किलोमीटर कठिन यात्रा कर कांवरिया देवघर पहुंच रहे हैं। कांवरिया पथ पर इन कांवरियों की सेवा में जगह-जगह सेवा शिविर लगाया गया है। इसी सेवा शिविर में एक औरंगाबाद सेवा शिविर है जहां पिछले 18 वर्षों से नि : शुल्क दवाई, चिकित्सा, आवसन, भोजन, चार्जिंग पॉइंट थकान मिटाने के लिए मेब्रेटिंग मशीन इत्यादि की व्यवस्था की गई है। वहीं प्रतिदिन भजन संध्या का भी आयोजन किया जाता है जिसका कांवरिया बहुत आनंद उठाते हैं।

सरायकेला में पुलिस ने अपराध की योजना बनाते 3 कुख्यात अपराधियों को हथियार के साथ दबोचा

सरायकेला, एजेंसी। बड़ी खबर सरायकेला से है जहां पुलिस ने शनिवार रात राजनगर थाना क्षेत्र के ईचा गांव से अपराध की योजना बनाते 3 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि एसपी मुकेश कुमार लुणायत को मिली गुप्त सूचना पर एसडीपीओ समीर कुमार संवैया के नेतृत्व में पुलिस की गठित टीम ने 3 आरोपियों को पकड़ा है। पकड़े गये अपराधियों में वीरेंद्र सिंह कुंतीया, पिंटू कुमार रक्षित और आकाश हेम्ब्रम शामिल है। पुलिस ने इनके पास से अवैध देसी पिस्टल, 9 एमएम की जिंदा गोली, 4 मोबाइल, एक एयरपोड, एक चिलम और घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद किया है। एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि ये लोग हथियार के साथ एक घर में घुसने की कोशिश कर रहे हैं। इनकी मंशा लूटपाट की बड़ी घटना को अंजाम देने की है। इसके बाद एक एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को ईचा ग्राम से धर दबोचा है। पूछताछ में पता चला कि ये सभी अपराधी पहले भी कई लूट और रंगदारी के मामलों में आरोपित रहे हैं। बताया कि तीनों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं।

लायंस क्लब रघुनाथ खरकिया अस्पताल चिरकुंडा में लगा 1000 वां मुफ्त नेत्र जांच शिविर

धनबाद /निरसा, एजेंसी। धनबाद के निरसा स्थित लायंस रघुनाथ खरकिया नेत्र अस्पताल चिरकुंडा में रविवार को 1000वां नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि लायंस वीणा चटर्जी लायंस एवं विशिष्ट अतिथि प्रदीप चटर्जी द्वारा फीता काटकर एवं स्व. रघुनाथ खरकिया के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद सभी अतिथियों को अस्पताल कमिटी द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। सभी ने अस्पताल द्वारा किये जा रहे सेवा के बारे में विस्तृत जानकारी दी। अस्पताल के निदेशक विनोद अग्रवाल ने कहा की 30 साल पहले उनके बड़े भाई स्व. बसंत अग्रवाल एवं जगदीश अग्रवाल ने इस अस्पताल का नीव लायंस क्लब के सहयोग से रखा था। तब से आज तक यह अस्पताल अपने नि : स्वार्थ कामों के लिए जाना जाता है। यह कहते हुए मुझे काफी खुशी हो रही है कि पूरे देश में यह पहला ऐसा अस्पताल है जो एक हजारवां मुफ्त नेत्र जांच शिविर लगा रहा है।

एअर इंडिया एक्सप्रेस की रांची-दिल्ली फ्लाइट रद, यात्रियों ने किया हंगामा

रांची, एजेंसी। बिरसा मुंडा एअरपोर्ट पर रविवार को तकनीकी खराबी के कारण एअर इंडिया एक्सप्रेस के रांची-दिल्ली विमान (आईएक्स 1200) को रद कर दिया गया। संबंधित विमान से झारखंड के चार सांसदों को सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में भाग लेने के लिए दिल्ली जाना था। राज्यसभा सदस्य प्रदीप वर्मा ने बताया कि एअर इंडिया एक्सप्रेस का दिल्ली-रांची विमान (आईएक्स 1199) अपने निर्धारित समय शाम 04:52 बजे दिल्ली से रांची पहुंच चुका था।

तकनीकी खराबी की वजह से फ्लाइट रद

शाम छह बजे एअर इंडिया एक्सप्रेस के रांची-दिल्ली विमान (आईएक्स 1200) को उड़ान भरना था। विमान में 180 यात्री व छह क्रू मेंबर सवार थे। जांच के दौरान विमान में कुछ तकनीकी खराबी पायी गई।इसके बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस एअरलाइंस की ओर से बताया गया कि विमान विलंब से उड़ान भरेगा।

लगभग डेढ़ घंटे तक विमान में आई तकनीकी खराबी को दुरुस्त करने का प्रयास किया गया। इसके बाद विमान को ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया। विमान के रद होने की सूचना मिलते ही सभी यात्री आक्रोशित हो गए और एअरलाइंस के अधिकारियों से दूसरे विमान की व्यवस्था करने की मांग करने लगे।

कई यात्रियों ने बताया कि उन्हें आवश्यक कार्य से दिल्ली जाना था। उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। इसके बाद एअर इंडिया एक्सप्रेस एअरलाइंस के अधिकारियों ने कुछ यात्रियों को रांची से कोलकाता के रास्ते दिल्ली जाने का विकल्प दिया।

इन सांसदों को भी जाना था दिल्ली

कुछ यात्रियों के साथ सांसद आदित्य साहू व प्रदीप वर्मा रांची से कोलकाता के लिए रवाना हुए। कोलकाता पहुंचने के बाद उन्होंने होटल में रात गुजारी। बताया कि सोमवार की सुबह कोलकाता से दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

दिल्ली से मंगाए गए हैं पार्ट्स

वहीं, अन्य दो सांसद कालीचरण सिंह मुंडा व विद्युत वरण महतो सोमवार की सुबह दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। एअर इंडिया एक्सप्रेस एअरलाइंस के अधिकारी ने बताया कि विमान में आई तकनीकी खराबी दुरुस्त नहीं हो पाई। दिल्ली से कुछ पार्ट्स मंगाए गए हैं। विमान में आई तकनीकी खराबी को दुरुस्त करने के बाद डीजीसीए से स्वीकृति मिलने के बाद ही संबंधित विमान को दिल्ली भेजा जाएगा।बिरसा मुंडा एअरपोर्ट के निदेशक आरआर मौर्या ने बताया कि रांची से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान (आईएक्स 1200) तकनीकी खराबी के कारण रद कर दी गई।कुछ यात्रियों को दूसरी विमान में समायोजित किया गया, जबकि कुछ यात्रियों ने अपनी टिकट रद करा ली। कुछ यात्रियों के टिकट सोमवार के लिए पुनर्निर्धारित की गई है। वहीं, दूसरी ओर रांची-दिल्ली विमान (आईएक्स 1117) ने दो घंटे विलंब से बिरसा मुंडा एअरपोर्ट से उड़ान भरी।

झारखंड में सावन में सांपों का प्रेमनृत्य : कोडरमा के खेत में दिखा दुर्लभ दृश्य

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के चंदवारा प्रखंड के उरवां गांव में सावन के महीने में एक बेहद दुर्लभ दृश्य सामने आया। गांव के निवासी सुरेश यादव के खेत में दो सांपों का जोड़ा एक-दूसरे के साथ खेलते नजर आया। सांपों को एक-दूसरे के चारों ओर लहराते और ऊंचाई की ओर उठते हुए देख ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। यह दृश्य लगभग 30 मिनट तक चलता रहा।

श्रद्धा से जोड़ा गया सांपों का नृत्य : कई ग्रामीणों ने इस दृश्य को धार्मिक भावना से जोड़ते हुए कहा कि सावन के पवित्र महीने में इस तरह का दृश्य भगवान शिव का आशीर्वाद है। कुछ लोगों ने इसे शिव-नाग संबंध का प्रतीक माना और खेत में पूजा-अर्चना भी की। सावन में नागों से जुड़े ऐसे दृश्य ग्रामीण मान्यताओं में शुभ माने जाते हैं।

प्रजनन काल में दिखते हैं ऐसे नजारे : वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार यह दृश्य पूरी तरह से प्राकृतिक और सामान्य है। मानसून का समय सांपों का प्रजनन काल होता है, और इसी दौरान वे अधिक सक्रिय रहते हैं। खुले क्षेत्रों में इस तरह की गतिविधियां दुर्लभ जरूर हैं, लेकिन असामान्य नहीं। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की कि ऐसे मौकों पर सांपों को परेशान न करें, बल्कि सुरक्षित दूरी से ही देखें।

मोबाइल कैमरे में कैद हुई प्रकृति की झलक

मौके पर मौजूद लोगों ने इस अद्भुत दृश्य को अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो कुछ ही समय में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, और लोगों के बीच यह चर्चा का विषय बन गया। सांपों की गतिविधि किसी फिल्मी सीन से कम नहीं लग रही थी, जिसे देख ग्रामीणों ने आश्चर्य और रोमांच दोनों का अनुभव किया।

देवघर में अपराधियों ने युवक को मारी गोली : शिवगंगा से लौट रहा था युवक

देवघर, एजेंसी। देवघर में शनिवार देर रात बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। यह सनसनीखेज वारदात शहर के बिलासी इलाके में रात करीब 11 : 20 बजे हुई। घायल युवक की पहचान रिखिया थाना क्षेत्र के न्यू रामपुर शिवराज कॉलोनी निवासी प्रिंस झा उर्फ ललन के रूप में की गई है। वह शिवगंगा घाट से वापस अपने घर लौट रहा था, तभी बदमाशों ने उसे निशाना बनाते हुए उसके पैर में गोली मार दी और फरार हो गए।

मौके पर पहुंचे परिजन, ले कर गए अस्पताल

घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल प्रिंस को आनन-फानन में देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने तत्परता दिखाते हुए ऑपरेशन कर युवक के पैर से गोली निकाल दी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। डॉक्टरों की निगरानी में है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई है। संबंधित थाना क्षेत्र की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके।

स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश

स्थानीय लोगों में इस वारदात को लेकर भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि देवघर में लगातार गोलीबारी की घटनाएं बढ़ रही हैं और पुलिस अपराधियों को पकड़ने में विफल साबित हो रही है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाए।इस घटना से ठीक एक दिन पहले झांसागढ़ी में अभिजीत ठाकुर को भी गोली मारी गई थी। उस मामले में भी अब तक अपराधी फरार हैं, जिससे शहरवासियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रदेश में बहेगी तेज हवा, बिजली गिरने को लेकर भी यलो अलर्ट

रांची, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से मानसून की सक्रियता कम होने के कारण आमजनों के साथ साथ किसानों को राहत मिली है। किसान अपने खेतों की ओर लौटने लगे हैं और धान का बिचड़ा डालकर हल्की फुहारों का इंतजार कर रहे हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूर्वानुमान की बात करें तो 21 और 22 जुलाई को राज्य में कहीं कहीं मेघगर्जन के साथ 30 से 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा के बहने और इस दौरान बिजली गिरने की संभावना को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया।

वहीं 23 जुलाई को राज्य के दक्षिणी हिस्से यानी पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां के अलावे उत्तर पूर्वी हिस्से यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा, साहिबगंज, धनबाद और गिरिडीह में कहीं कहीं भारी वर्षा होने को ले यलो अलर्ट जारी किया गया है।

24 जुलाई को राज्य के दक्षिणी हिस्से के जिलों में भारी वर्षा को ले आरेंज अलर्ट जबकि उत्तर पूर्वी क्षेत्र के जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में यह स्थिति 26 जुलाई तक बनी रहेगी।

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने कहा कि राज्य में अगले तीन दिनों तक 21, 22 और 23 जुलाई तक अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है, इसके बाद अगले दो दिनों तक यानी 24 और 25 जुलाई को तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मानसून की गतिविधि सामान्य बनी रही। लगभग सभी स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा रिकार्ड की गई जबकि कहीं कहीं भारी वर्षा हुई है। सबसे अधिक वर्षा 64.5 मिमी रामगढ़ में रिकार्ड की गई।

सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस पाकुड़ का जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.1 डिग्री सेल्सियस लातेहार का रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची का अधिकतम 30.7 डिग्री जबकि न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

रैंकिंग में चार पायदान ऊपर पहुंचा झारखंड

रांची, एजेंसी। जन्म एवं मृत्यु निबंधन अधिनियम, 1979 के तहत अस्पतालों में होनेवाली मृत्यु के कारणों का चिकित्सीय प्रमाणीकरण (सर्टिफिकेशन) अनिवार्य है ताकि पता चले कि किसी व्यक्ति की मृत्यु किस बीमारी से हुई। इसमें झारखंड कई राज्यों से पीछे रहकर भी सुधार किया है। पिछले पांच वर्षों में मृत्यु के प्रमाणीकरण की दर बढ़कर दोगुनी हो गई है।

वहीं, रैंकिंग की बात करें तो यह चार पायदान ऊपर चढ़ते हुए 18वें स्थान पर पहुंच गया है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने हाल ही में वर्ष 2022 में देश के विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में हुई मौत के आधार पर %%मेडिकल सर्टिफिकेशन आफ काउजेज आफ डेथ%% की रिपोर्ट जारी की है, जिसमें ये तथ्य सामने आए हैं।

इस रिपोर्ट के अनुसार, झारखंड में वर्ष 2017 में कुल 4.7 प्रतिशत मृत्यु (निबंधित) का ही चिकित्सीय प्रमाणीकरण हुआ था। वर्ष 2022 में यह आंकड़ा बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2017 में मृत्यु के प्रमाणीकरण में झारखंड का स्थान देश के बड़े राज्यों में 20वां था।

अब इस मामले में झारखंड 18वें स्थान पर पहुंच गया है। भले ही मृत्यु के प्रमाणीकरण में झारखंड ने प्रगति की है, लेकिन अन्य राज्यों से तुलना करें तो इस मामले में अभी भी झारखंड काफी पीछे है। पूरे देश की बात करें तो वर्ष 2022 में 22.3 प्रतिशत मृत्यु का प्रमाणीकरण हुआ।

गोवा में लगातार शत-प्रतिशत मृत्यु का प्रमाणीकरण होता है। कई अन्य राज्य व केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां 50 प्रतिशत से अधिक मृत्यु का चिकित्सीय प्रमाणीकरण होता है।

प्रमाणीकरण के लिए चीफ मेडिकल ऑफिसर होते हैं रजिस्ट्रार : केंद्र द्वारा संचालित मेडिकल सर्टिफिकेशन ऑफ काउजेज आफ डेथ (एमसीसीडी) कार्यक्रम के तहत सभी मृत्यु के कारणों का चिकित्सकीय प्रमाणीकरण किया जाता है, जिसमें मौत के कारणों का स्पष्ट रूप से जिक्र होता है।

इसके लिए अस्पतालों में फार्म-4 और अस्पताल के बाहर होनेवाली मौत में 4-ए फार्म भरे जाते हैं। यह प्रमाणीकरण उस चिकित्सक द्वारा किया जाता है जो किसी मरीज की मृत्यु के समय उपस्थित होता है।

रिपोर्टिंग के लिए सभी सरकारी व निजी अस्पतालों के चीफ मेडिकल ऑफिसर को रजिस्ट्रार बनाया गया है, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण अब भी लगभग 90 प्रतिशत मृत्यु का चिकित्सीय प्रमाणीकरण नहीं हो पाता है।

चिकित्सीय प्रमाणीकरण क्यों

लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने, इसके लिए योजनाएं तैयार करने तथा चिकित्सा से संबंधित शोध में किसी प्रदेश में होनेवाली मौत के आंकड़े काफी महत्वपूर्ण होते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर ही केंद्र व राज्य सरकारें स्वास्थ्य की बेहतरी की रणनीति तैयार करती हैं तथा योजनाएं लागू करती हैं।

खाट पर ले जा रहे थे अस्पताल, रास्ते में ही गूंजी बच्चे की किलकारी

चतरा, एजेंसी। भारत को आजाद हुए 77 साल हो चुके हैं। लेकिन आज भी कई ऐसी जगह है, जहां विकास तो छोड़िये लोगों को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल रही है। कई ऐसे गांव है, जहां लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेहद ही दयनीय स्थिति को दर्शाता हुआ एक मामला चतरा जिले से सामने आया है। यहां गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने के लिए जब एंबुलेंस बुलाया गया, तो सड़क और पुल की कमी के कारण एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी।

चतरा जिले के प्रतापपुर में गर्भवती महिला को प्रसव पीड़ा शुरू हुई। महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 ममता वाहन को बुलाया बुलाया गया। लेकिन हुआ ये कि प्रतापपुर में सड़क और पुल की कमी के कारण एंबुलेंस गांव तक पहुंच ही नहीं सकी। अंत में ग्रामीणों ने वही किया जो कई बार हमें देखने या सुनने को मिलता है। महिला को खाट के सहारे अस्पताल ले जाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही महिला ने बच्चे को जन्म दे दिया।

मालूम हो यह कोई पहला मामला नहीं है। कुछ दिन पहले ही पाकुड़ जिले से भी कुछ ऐसा मामला सामने आया था। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड में डूमरचीर पंचायत के बड़ा बास्को पहाड़ गांव में सड़क के अभाव में एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। इसके बाद पिता ने अपने बीमार बेटे को इलाज के लिए खाट पर टांगकर दो किलोमीटर दूर मुख्य सड़क तक पहुंचाया।

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने बेलगड़िया टाउनशिप का किया निरीक्षण, ग्रामीणों ने सुनाई अपनी समस्याएं

धनबाद, एजेंसी। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी धनबाद दौरे पर हैं। आज दूसरे दिन मुख्य सचिव ने बेलगड़िया बस्ती का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। मुख्य सचिव ने बस्ती का निरीक्षण किया और लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं भी सुनीं।

मुख्य सचिव ने बेलगड़िया फेज 5, आंगनबाड़ी के लिए चिह्नित भूमि, नया प्राथमिक विद्यालय झरिया विहार बेलगड़िया, स्वास्थ्य उपकेंद्र बेलगड़िया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय छत्तातर बेलगड़िया, आरएसपी कॉलेज, बेलगड़िया बस्ती के अंतर्गत निर्मित तालाब, पार्क निर्माण के लिए चिह्नित भूमि, मेगा स्किल डेवलपमेंट सेंटर, मल्टी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के निर्माण के लिए चिह्नित भूमि और अन्य परिसरों का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान मुख्य सचिव ने छात्राओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने बेलगड़िया में पौधारोपण भी किया। दौरे के बाद मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया के लोगों का कौशल विकास कर उन्हें रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। इसका असर बहुत जल्द दिखेगा। उन्होंने कहा कि सुगम यातायात के लिए जल्द ही ई-रिक्शा शुरू किए जाएंगे। धनबाद आना-जाना आसान बनाने के लिए बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। इलेक्ट्रिक बसें चलाने की भी व्यापक योजना तैयार की गई है। मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार की मंशा है कि यहां रहने वाले लोगों को अच्छा माहौल मिले। इसलिए सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार, पेयजल, सुचारू बिजली व्यवस्था, सोलर स्ट्रीट लाइट, टाउनशिप में अच्छी सड़कें, रोड कनेक्टिविटी, पुराने भवनों की मरम्मत, रखरखाव, साफ-सफाई समेत अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। इसके लिए अल्पकालीन, मध्यमकालीन और दीर्घकालीन योजना बनाई गई है। कार्ययोजना बनाकर काम किया जा रहा है। इसे तय समय सीमा के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।संशोधित झरिया मास्टर प्लान पर प्रकाश डालते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि भू-धंसान और अग्नि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों का सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास उनकी प्राथमिकता है। संशोधित प्लान में कई नई चीजों को समायोजित कर लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया है। मुख्य सचिव ने कहा कि बेलगड़िया दौरे के दौरान लोगों ने उन्हें कुछ समस्याओं से अवगत कराया था। जिसमें जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य आदि के संबंध में जानकारी दी गई थी। उनकी सभी समस्याओं का जल्द ही समाधान किया जाएगा।स्थानीय लोगों ने मुख्य सचिव अलका तिवारी से मुलाकात की और उन्हें अपनी समस्याएं बताईं। मुख्य सचिव ने उन्हें समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। बस्ती में रहने वाले लोगों का कहना है कि यहां बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है। पानी, बिजली और साफ़-सफ़ाई की समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके साथ ही, रोजगार के साधन भी उपलब्ध नहीं हैं।

1 सितंबर से लागू होगी स्मार्ट पीडीएस योजना

रांची, एजेंसी। झारखंड के सभी पीडीएस दुकानदारों की मनमानी पर जल्द ही रोक लगने वाली है। झारखंड के सभी 24 जिलों में 1 सितंबर से स्मार्ट पीडीएस योजना लागू हो जायेगी। इसके बाद राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जैसे ही लाभुकों को अनाज मिलेगा, केंद्र सरकार तक तुरंत यह सूचना पहुंच जायेगी। इससे केंद्र को पता रहेगा कि झारखंड में कितने लाभुकों को कितनी मात्रा में कब और किस दिन अनाज मिला है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली की कार्यकुशलता में सुधार और लाभार्थियों तक इसकी पहुंच बढ़ाना इस योजना का मुख्य लक्ष्य है।

वर्तमान में राज्य के छह जिलों में स्मार्ट पीडीएस योजना चल रही है। केंद्र सरकार ने फरवरी माह में पायलट प्रोजेक्ट के तहत खूंटी से यह योजना शुरू की थी। इसकी सफलता के बाद चतरा, गुमला, कोडरमा, लातेहार व सिमडेगा में भी अप्रैल माह से स्मार्ट पीडीएस योजना शुरू की गयी।

स्मार्ट पीडीएस योजना के तहत अनाज वितरण के साथ-साथ एफसीआइ गोदाम से एसएफसी के गोदाम तक अनाज पहुंचाने और वहां से पीडीएस दुकानों तक अनाज ले जाने की रियल टाइम जानकारी भी केंद्र को मिलती रहेगी। इस योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से पीडीएस दुकानों में इ-पॉश मशीन भी उपलब्ध करायी गयी है। इसमें ऐसा सॉफ्टवेयर डाला गया है, जिससे पूरी व्यवस्था पर नजर रखी जायेगी। इससे अनाज वितरण और परिवहन में पूरी पारदर्शिता रहेगी।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण
संपादकीय
बक्सर, 22 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

सुभाषितम्

मेरे विचार से विद्धवानो के पत्र मानव के समस्त कथनो से श्रेष्ठ हैं। - फ्रांसिस बेकन

बांके बिहारी मंदिर में मंत्री का विरोध

वृंदावन के पवित्र बांके बिहारी मंदिर में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के खिलाफ तीखा विरोध हुआ। सरकार और भाजपा के खिलाफ नाराजगी, और भयंकर असंतोष यहां देखने को मिला। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की नीतियों और उनकी कॉरिडोर वाली कार्यशैली को लेकर बनारस और अयोध्या के बाद अब मथुरा, वंदावन में भारी गुस्सा देखने को मिल रहा है। यह घटना न सिर्फ धार्मिक आस्था का सार्वजनिक प्रतिरोध है बल्कि यह एक संकेत भी है, अब हिंदू समाज भी सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने लगा है। अपने मंदिरों के अस्तित्व की रक्षा तथा मंदिरों के ट्रस्ट में सरकार के हस्तक्षेप को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश का हिंदू बढ़-चढ़कर आगे आ रहा है। कैबिनेट मंत्री श्री शर्मा को विरोध प्रदर्शन के कारण बांके बिहारी के मंदिर से बिना दर्शन किए लौटना पड़ा। पुजारियों ने पट बंद कर दिए। सेवायतों और महिलाओं ने काली पट्टी बांधकर नारेबाजी की। पुलिस पर महिलाओं और भक्तों ने बदसुलूकी के आरोप लगाये। यह सब सिर्फ इसलिए हुआ, जिस ह्यकॉरिडोर संस्कृतिह्ण ने काशी और उज्जैन जैसे धार्मिक स्थलों की आत्मा और आस्था को बाजार बना दिया है, वही कॉरिडोर की संस्कृति से अब वृंदावन में धार्मिक आस्था को बाजार बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सैकड़ो घर और मंदिरों को तोड़ने का प्लान बनाया गया है। बनारस और अयोध्या में लोग इस सबके दुष्परिणाम देख चुके हैं। बाजारवाद के कारण अब धार्मिक आस्थाओं पर कड़ा प्रहार किया जा रहा है। बनारस में अब हिंदुओं के मंदिर प्रवेश पर भी टिकट लगा दी गई है। भक्तों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर ह्यविकासह्ण का तर्क दिया है। मथुरा में स्थानीय जनता की भावनाओं और परंपराओं को सरकारी विकास के प्लान में दरकिनार कर दिया गया है। तंग गलियों में बसे सैकड़ों घरों को तोड़ने की योजना, सेकड़ों छोटे-छोटे मंदिरों और दुकानों को तोडने के लिए बुलडोजर की आहट से यहां के लोगों में भारी रोष है। मंदिरों और ट्रस्ट के जरिए सरकारी नियंत्रण की जो आशंका थी। बनारस ने उसे विश्वास में बदल दिया है। यही सारे मुद्दे लोगों की नाराजगी का कारण बन रहे हैं। वृंदावन सिर्फ एक तीर्थ नहीं, यहां राधे-कृष्ण भक्ति की जीवंत परंपरा देखने को मिलती है। जिस विधि से रोजाना हजारों श्रद्धालु और भक्त मथुरा वृंदावन पहुंचते हैं, यहां की गलियों में भगवान कृष्ण और राधा की सांस आस्था के साथ भक्त महसूस करते हैं। उत्तर प्रदेश की सरकार धार्मिक पर्यटन के नाम पर कॉरिडोर प्रोजेक्ट बनाने पर अमादा है। मथुरा वृंदावन और यमुना नदी जो धार्मिक आस्था के साथ-साथ प्रेम का प्रतीक है। श्रद्धा की इस पावन भूमि को सेल्फी प्वाइंट और वीआईपी दर्शन के नाम पर इसे एक बड़े कारोबार के रूप में तब्दील किया जा रहा है। सैकड़ो वर्षों से यहां के पुजारी और यहां के उन परिवारों पर जो भगवान कृष्ण की आस्था और श्रद्धा के केंद्र थे उन्हें वहां से बेदखल किया जा रहा है। मथुरा, वृंदावन के कॉरिडोर के विरोध को सिर्फ एक स्थानीय विरोध मानना सरकार की बडी भूल होगी। मथुरा, वृंदावन की यह स्पष्ट चेतावनी है। आस्था और विश्वास की भरपाई धन वैभव से नहीं हो सकती है, जिस तरीके से के परिणाम अयोध्या और बनारस में देखने को मिल रहे हैं, उससे हिंदू समाज नाराज है। अब हिन्दू चुप नहीं रहेगा, वह सरकार से सवाल-जवाब भी कर रहा है। कॉरिडोर की योजना का मुखर विरोध करने वह मंदिर और सड़कों पर आकर खड़ा हो गया है। मंदिर राजनीति के लिए मंच नहीं हैं। मंदिर और धार्मिक स्थल हिंदुओं की आस्था के केंद्र हैं। यदि राजनीतिक दल अपनी सत्ता को बरकरार रखने, धार्मिक स्थलों को कारोबारी स्थल बनाकर, पिकनिक स्पॉट, पर्यटन केंद्र होटल और अन्य स्थल बनाकर जो कमाई करना चाहते हैं, उसके विरोध में भक्त भी अब मंदिर से लेकर सड़कों तक आ गए हैं। मंदिर में भगवान के पुजारी पट बंद करके अपना विरोध जाता रहे हैं। उत्तर प्रदेश की योगी और केंद्र की मोदी सरकार को समझना होगा।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

घटती असमानता को आखिर क्यों सराहना मिलनी चाहिए!

- सौम्य कांति घोष एवं फाल्गुनी सिन्हा

हाल ही में भारत के उपभोग-आधारित गिनी गुणांक में आई गिरावट ने एक जबरदस्त चर्चा को जन्म दिया है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत का गिनी गुणांक 2011-12 में 28.8 से घटकर 2022-23 में 25.5 हो गया है। गिनी गुणांक में यह गिरावट तब और महत्वपूर्ण हो जाती है, जब इसकी तुलना विशेष रूप से विश्व असमानता डेटाबेस के आय-आधारित अनुमानों के साथ की जाती है। असमानता संबंधी इस डेटाबेस ने 2023 में भारत के गिनी को स्पष्ट रूप से 62 के चिंताजनक स्तर पर रखा था। इस स्पष्ट असंगति को समझने के लिए अंतर्निहित आयामों, डेटा स्रोतों और वैचारिक ढांचे का गहन विश्लेषण जरूरी है। इसके बाद बात एक ऐसे तार्किक आलोचनात्मक विमर्श की आती है - जो पद्धतिगत असंगतियों को ठोस आर्थिक हकीकतों से अलग करके देखता है तथा असमानता को दूर करने के मौलिक रूप से भिन्न उपायों को एक साथ मिलाने के खतरों पर प्रकाश डालता है।

इस भिन्नता के मूल में एक महत्वपूर्ण वैचारिक अंतर है: उपभोग संबंधी असमानता और आय संबंधी असमानता के बीच का अंतर। विशाल अनौपचारिक श्रमशक्ति, व्यापक पैमाने पर वस्तुओं का लेनदेन करने और तेजी से विस्तारित होती कल्याणकारी संरचना वाले भारत जैसे देश में आय अक्सर अस्थिर होती है और उसके बारे में कम रिपोर्ट की जाती है या उसे व्यापक रूप से दर्ज पाना कठिन होता है। इसके उलट, उपभोग समय के साथ अधिक सुचारू होता जाता है और यह वास्तविक जीवन स्तर को ज्यादा सही तरीके से प्रतिबिंबित करता है। विश्व बैंक का गरीबी एवं असमानता मंच (पीआईपी) राष्ट्रीय संदर्भ के आधार पर प्रयोज्य आय या उपभोग संबंधी व्यय का उपयोग करते हुए इस तर्क को अपनाता है।

सबसे पहले, यह बताना उचित होगा कि विश्व बैंक ने अपने ह्वविश्व बैंक का असमानता संबंधी नया सूचकह्व शीर्षक वाले शोध-पत्र में उपभोग आधारित गिनी को आय आधारित गिनी और आय आधारित गिनी को उपभोग आधारित गिनी में बदलने का तरीका सुझाया है। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि 84 देश-वर्षों में, जहां उपभोग आधारित तथा आय आधारित दोनों गुणांकों के आंकड़े उपलब्ध थे, आय व उपभोग आधारित गिनी गुणांकों का औसत अनुपात 1.13 है। इस औसत अनुपात को भारत के 25.5 के उपभोग-आधारित गिनी गुणांक पर सीधे लागू करने पर लगभग 28.8 की आय आधारित गिनी हासिल होती है। परिणामस्वरुप, आय-समतुल्य मान्यताओं के तहत भारत अभी भी 12वें स्थान पर है। यह सरल अनुमान पीआईपी डाटाबेस के भीतर कल्याण के विभिन्न प्रकारों की तुलना करने का एक तरीका सुझाता है। इससे एक प्रासंगिक सवाल उठता है: इस तरीके को व्यापक रूप से स्वीकार क्यों नहीं किया गया है? इसका जवाब शायद चुनिंदा रूप से बाहरी अनुमानों पर जोर देने की प्रवृत्ति में निहित है। जब विभिन्न देशों के बीच तुलना के लिए दिए गए सरल अनुमान का उपयोग किया जाता है, तो आय के संदर्भ में मापे जाने पर भी भारत की असमानता संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन की तुलना में काफी कम दिखाई देती है। उपभोग आधारित कल्याण का दृष्टिकोण अपनाने वाले 48 देशों की सूची में, भारत तीसरे स्थान पर है। पीआईपी डाटाबेस में भारत का 25.5 का उपभोग आधारित गिनी गुणांक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय है। उदाहरण के लिए, चीन का उपभोग आधारित गिनी उसी डेटाबेस के अनुसार और कल्याण की उसी अवधारणा का उपयोग करते हुए 35.7 है। लगभग 10 अंकों का यह अंतर बेहद उल्लेखनीय है।

दूसरा, बड़े पैमाने वाली समाज कल्याण योजनाओं का प्रभाव स्पष्ट रूप से आलोचना से दायरे से गायब क्यों है? भारत जैसे देश में सब्सिडीयुक्त भोजन, एलपीजी, आवास, ग्रामीण रोजगार, स्वास्थ्य बीमा और प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण जैसे बड़े पैमाने वाले समाज कल्याण कार्यक्रमों ने गरीबों के जीवन स्तर को काफी हद तक बेहतर बनाया है। परिणामस्वरूप, वहां उपभोग निश्चित रूप से आय की तुलना में अधिक होगा और अपेक्षाकृत अधिक समान रूप से वितरित होगा। सार्वजनिक प्रावधान के ये रूप खासतौर पर ग्रामीण और अनौपचारिक क्षेत्रों में कल्याण को बढ़ाते हैं। वर्ष 2025 के बजटीय अनुमान के अनुसार, विभिन्न लाभार्थी योजनाओं पर केन्द्र सरकार का व्यय 7.1 लाख करोड़ रुपये होगा तथा विभिन्न राज्य मिलकर इसमें 7.4 लाख करोड़ रुपये और जोड़ेंगे। इसका कुल योग लगभग 14.5 लाख करोड़ रुपये होगा। पीएलएफएस डेटा के अनुसार, नियमित वेतनभोगी कर्मचारी की औसत मासिक कमाई लगभग 21000 रुपये और स्व-नियोजित व्यक्ति की औसत मासिक कमाई लगभग 14000 रुपये है। अनियमित मजदूर की प्रतिदिन की औसत कमाई 433 रुपये है। इन अनुमानों का उपयोग करने और चार लोगों के परिवार की निर्भरता को ध्यान में रखने पर, यह प्रति व्यक्ति आय 65000 रुपये की बन जाती है। यह मानते हुए कि कुल लाभार्थी योजनाओं का 80 प्रतिशत हिस्सा नीचे के 50 प्रतिशत लोगों तक पहुंचता है, यह प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ तमाम गड़बड़ियों और अतिव्यापन (ओवरलैप) के बावजूद प्रति व्यक्ति 15000 रुपये प्रति वर्ष का बनता है। प्रभावी संसाधनों में लगभग 20 प्रतिशत का यह उत्थान उपभोग में बदल जाता है। इस प्रकार, इन रूढ़िवादी मान्यताओं के तहत भी, यह प्रभावी असमानता को महत्वपूर्ण रूप से कम करता है। इन उपायों से गरीबी में भी नाटकीय गिरावट आई है तथा चरम गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 2.3 प्रतिशत रह गई है। कुल 3.65 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की निम्न-मध्यम-आय रेखा पर, गरीबी 61.8 प्रतिशत से घटकर 28.1 प्रतिशत हो गई है। डब्ल्यूआईडी के अनुमानों को बिना सोचे-समझे स्वीकार करने से पहले, क्या हमें यह नहीं जानना चाहिए कि ये अनुमान आखिर क्या माप रहे हैं? डब्ल्यूआईडी डेटाबेस की बात करें तो, उनकी आय संबंधी मानक अवधारणा है: ह्नकर-पूर्व, प्रतिस्थापन-पश्चात राष्ट्रीय आयह्न – यानी करों और हस्तांतरणों से पहले, पेंशन और बेरोजगारी लाभ जैसे सामाजिक बीमा घटकों को छोड़कर। इसका मतलब है कि वे अधिकांश गैर-अंशदायी कल्याणकारी हस्तांतरणों– जैसे कि भारत का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), खाद्य सब्सिडी, एलपीजी से जुड़ी योजनाएं, आयुष्मान भारत, ग्रामीण आवास आदि - को छोड़ देते हैं।

भारत की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली अंशदायी बीमा की तुलना में गैर-अंशदायी हस्तांतरणों पर कहीं अधिक निर्भर करती है। इन्हें डब्ल्यूआईडी की आय संबंधी अवधारणा में शामिल नहीं किया जाता, भले ही ये वास्तविक आय और क्रय शक्ति को भौतिक रूप से क्यों न बढ़ाते हों।

सफल रहा डॉ. मोहन यादव का स्पेन दौरा, एमपी बनेगा निवेश और रोजगार का ग्लोबल हब

-हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का हालिया स्पेन दौरा राज्य के आर्थिक और तकनीकी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। यह दौरा केवल एक अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक यात्रा नहीं था, बल्कि मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश, नवाचार और तकनीकी सहयोग के मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करने का एक सशक्त प्रयास भी था। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इन्वेस्टर्स फ्रेंडली नीतियों के चलते आज एमपी विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने दौरे में स्पेन के उद्योगपतियों और निवेशकों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। स्पेन दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को वैश्विक मंच पर एक उभरते हुए निवेश-अनुकूल राज्य के रूप में प्रस्तुत किया। डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना और मैड्रिड जैसे प्रमुख स्पेनिश शहरों का दौरा किया और वहां की विभिन्न औद्योगिक, तकनीकी और नवाचार केंद्रित संस्थाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, श्रमशक्ति, संसाधनों और सरकार की इन्वेस्टर्स फ्रेंडली नीतियों को प्रस्तुत करते हुए विदेशी निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया।मध्यप्रदेश को स्पेन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ह्ल इन्वेस्ट इन एमपी ह्व पहल के तहत वैश्विक निवेश मंच पर बेहतरीन ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. मोहन यादव ने बार्सिलोना और मैड्रिड जैसे प्रमुख स्पेनिश शहरों का दौरा किया और वहां की विभिन्न औद्योगिक, तकनीकी और नवाचार केंद्रित संस्थाओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, श्रमशक्ति, संसाधनों और सरकार की नीतियों को प्रस्तुत करते हुए विदेशी निवेशकों को राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया। मध्यप्रदेश को एक ईको फ्रेंडली टेक्सटाइल हब के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रस्तुत किया गया। पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क की स्पेन के निवेशकों के बीच जबरदस्त ब्रांडिंग की गई जहाँ निवेश की संभावनाओं पर सीएम का पूरा जोर रहा। मैड्रिड में आयोजित इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश बिजनेस फोरम में मुख्यमंत्री ने निवेशकों को संबोधित किया। उन्होंने मध्य प्रदेश की औद्योगिक क्षमताओं, निवेश-अनुकूल नीतियों और लॉजिस्टिक्स, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण, टेक्सटाइलऔर नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने भारत और स्पेन के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समानताओं का उल्लेख करते हुए दोनों देशों को भाई-भाई के रूप में वर्णित किया। उन्होंने स्पेन के साथ भारत के 9.32 बिलियन डॉलर के व्यापारिक संबंधों को रेखांकित किया और इसे और मजबूत करने की संभावनाओं पर जोर दिया। स्पेन की अग्रणी कंपनियों और संस्थानों के साथ मुख्यमंत्री ने कई समझौतों और प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया। विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट सिटी विकास, स्वच्छ जल प्रबंधन, एग्रीटेक और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाओं पर सकारात्मक बातचीत हुई। फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, हरित ऊर्जा, खनन सहित कई क्षेत्रों में निवेश के नए द्वार मुख्यमंत्री डॉ.यादव के स्पेन दौरे ने खोले हैं। बार्सिलोना में कई महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने डेटा सेंटर कूलिंग तकनीक में विशेषज्ञता रखने वाली कंपनी सबमर के मुख्यालय का दौरा किया ------ और मध्यप्रदेश में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए संभावित निवेश और साझेदारी पर चर्चा की। स्पेन यात्रा में सबमर के साथ मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम का एक समझौता हुआ जिसके तहत टिकाऊ डेटा सेंटर और इमर्शन कूलिंग तकनीक पर सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। यह मध्यप्रदेश को एआई और डिजिटल तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।इसके अलावा विश्व प्रसिद्ध परिधान कंपनी इन्डिटेक्स के साथ टेक्सटाइल सेक्टर में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। रॉका ग्रुप और हेलोटेक्स ग्रुप जैसी नामी गिरामी कंपनियों के साथ भी कई बैठकें हुई जिनमें टेक्सटाइल, सेनेटरीवेयर और टिकाऊ सड़क निर्माण तकनीक जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं तलाशी गई। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने स्पेन के निवेशकों को मध्य प्रदेश की 18 औद्योगिक नीतियों और सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से अवगत कराया जो इसे निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं।विश्व की अग्रणी टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक उच्च स्तरीय राउंड टेबल बैठक की। बैठक ने मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने और यूरोपीय टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बैठक में यूरोपीय टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों को मध्यप्रदेश में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर आमंत्रित किया गया। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब की स्थापना से लेकर भारतीय और यूरोपीय कंपनियों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देने हुए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और नॉलेज एक्सचेंज की संभावनाओं पर गहन मंथन हुआ ।

पार्श्वभूमि की धूमिलता दादूलाल दिनेश पारीवाल

- हेमेन्द्रो क्षीरसागर

साभार दस्त क, युगेश चौबे! बालाघाट जिले की पार्श्वभूमि की धूमिलता में यदि प्रतिभाशाली व्यक्तित्व-कृतित्वे, जनप्रहरी, अज्ञात संगीत, कलाप्रेमी, जनगायक, कवि, नाटककार, कहानी लेखक, अध्यापक, व्यंग्यकार और सर्वोपरि एक शिक्षा संगठक के रूप में यदि किसी एक व्यक्ति-- की खोज की जावे तो वे होंगे दादूलाल दिनेश पारीवाल। आपका जन्म 4 जून 1906 को मध्य प्रदेश, बालाघाट जिले के वारासिवनी के एक बहुत ही गरीब विश्वकर्मा परिवार माता सावित्री- पिता जगलीन लाल पारीवाल घर हुआ। प्राथमिक शिक्षा पास करने के पश्चात पिताजी की कम आमदनी के कारण एक दो साल इनका यूं ही बीता। आखिर बालक ददू या दादूलाल के स्वयं स्फूर्त प्रयासों से अपना नाम शासकीय हाईस्कूल बालाघाट में लिखवाकर ही छोड़ा। अपने मर्जी के विरूद्ध पुत्र को आगे पढ़वाने का काम पिता को असंभव नहीं तो दूभर अवश्य हो गया। जहां एक ओर पिता की गरीबी के कारण बालक को आगे पढ़ाने में पस्त हिम्मत होते। वहां बालक उत्साह के साथ शासकीय छात्रवृत्ति ने इनके आगे के अध्ययन को गति और बल दिया। तभी ही इनकी विशेषता का परिचय तो जनमानस, छात्रों और शिक्षकों का संभवतः मिल ही चुका था। लगभग आप पच्चीस वर्ष के रहे होगें आपने भक्त सूरदास में विल्व मंगल का काम किया था। आपने संवाद, स्वलिखित भाषण और गीतों की स्वरलहरियों से समस्त दर्शकों को रूला दिया था। जिसके परिणाम स्वरूप देवीचरण निर्गुण ने आपको स्वर्णपदक दिया था। इसके पश्चात आपका महाविद्यालयीन जीवन आरंभ हुआ, जो विशेष आर्थिक संकटमय रहा। आपका रंगमंच पर आने वाला पहला नाटक दिग्दर्शन हिस्लाप कॉलेज, नागपुर के रंगमंच पर अभिनीत हुआ। जिसमें भवानी पचौरी, जर्नादन वेडेकर, अवकाश प्राप्त डिप्टी कमिश्नर नरेन्द्रनाथ पान्डे, चिन्तामनराव ओतलवार वीरेन्द्रकुमार रायजादा, रामगोपाल पुजारी, तथा उमाचरण दुबे जैसे ख्याति प्राप्त व्यक्तियों ने भाग लिया था। आपको पुनः स्वर्णपदक एवं इंकावन रूपयों की पुस्तकों का पुरस्कार मिला था। तब से आप रंगमंच के चर्चित व्यक्ति हो गये। मारीस कालेज में बीए कक्षाओं में रहते-रहते उन दिनों के प्रसिद्ध अभिनेता बेजामीन, रघुवीर सावरकर तथा सोहराब मोदी के सम्पर्क में आये। उतरोक्तर मौत की रात, पाशविक पिपासा, अमृत या विष, आदि नाटकों की व्यवसायी नाटक मंडली द्वारा मांग बढ़ने लगी। नाटक मंडली के प्रमुख अभिनेता बेजामीन, रघुवीर सावरकर, तथा सोहराब मोदी साथ रहकर लखनऊ, इलाहबाद, कानपुर, झांसी, बम्बई में उपरोक्त नाटकों का स्टेज प्रोग्राम किया। काफी समय तक अभिनेता सोहराब मोदी के साथ रहे। सोहराब मोदी कि फिल्मों के लिये गीत तथा संवाद लेखन में किसी और का नाम चित्रपट पर आने के कारण इनके मानसिकता पर एक जबरदस्त ठेस लगी। उसी समय स्पेंशटेऊनींग कालेज जबलपुर के लिये बीटी का चुनाव होने के कारण आपको दिशा बदलनी पड़ी। यहीं से आपके जीवन की दिशा बदली। एक नाटककार एक शिक्षक में खो गया वैसे तो 25 अगस्त 1930 को वारासिवनी में आपने एक मिडिल स्कूल केवल चार लड़कों से प्रारंभ कर चुके थे।

आज का राशिफल

मेष आज किसी बैंक या संस्था से ऋण लेना का विचार बना रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह सोच-विचार जरूर कर लें।

तुला संपत्ति में वृद्धि होगी। आपके अष्टम भाव में बृहस्पति वृषभ राशि के होकर विराजमान हैं।

वृषभ आज आपको ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। ऐसे में सावधानी बरतनी जरूरी होगी।

वृश्चिक मन किसी बात को लेकर अशांत रह सकता है। ऐसे में ज्यादा तनाव लेने से बचना बेहतर होगा।

मिथुन अगर आपको शरीर से जुड़ी कोई समस्या है, तो आज परेशानी ज्यादा बढ़ सकती है।

धनु आज मन के भीतर दान पुण्य और परोपकार करने की भावना भी विकसित होगी।

कर्क मेहनत का पूर्ण लाभ प्राप्त होगा। आप अपने शौक और सुख के लिए धन खर्च कर सकते हैं।

मकर खर्चे भी सामने आ सकते हैं। आपको न चाहते हुए भी उन कार्यों पर धन लगाना पड़ेगा।

सिंह आज मानसिक अशांति और किसी बात को लेकर ज्यादा सोचने से आप पूरे दिन परेशान रह सकते हैं।

कुंभ आज पैसों के मामले में आवश्यकता पड़ने पर सीमित धन खर्च करना ही ज्यादा लाभदायक रहेगा।

कन्या माता-पिता की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग और प्रेम प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

मीन अगर पुत्र या पुत्री से जुड़ा कोई विवाद चल रहा था तो अब उसका समाधान मिल सकता है।

विशेष

केंद्रीय चुनाव आयोग के दावे हवा हवाई

केंद्रीय चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में बड़ी-बड़ी बात की थी। कहा था, मतदाताओं के घरों में बीएलओ जाएंगे। पुनरीक्षण के समय मतदाताओं को पावती दी जाएगी। जो दस्तावेज वह जमा करेंगे,उसका रिकॉर्ड मतदाताओं के पास भी होगा। अब जिस तरह की जानकारी बिहार से निकलकर सामने आ रही है। मतदाताओं का फॉर्म ऑफिस में बैठकर बीएलओ और सुपरवाइजर भर रहे हैं। मतदाताओं के फर्जी हस्ताक्षर भी कर रहे हैं। आपातकाल में नसबंदी के जो लक्ष्य सरकारी कर्मचारियों को दिए गए थे। उसी तरह का लक्ष्य बीएलओ को चुनाव आयोग द्वारा दिया गया है। वह आधे अधूरे फॉर्म अपलोड कर रहे हैं। यह सारी कार्रवाई कमरे में कैद हो गई है। कहा जा रहा है, चुनाव आयोग के सारे दावे हवा हवाई थे। सारी सच्चाई खुलकर सामने आ गई है। चुनाव आयोग के खिलाफ मतदाता सड़कों पर आ रहे हैं। 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग की हालत देखने लायक होगी।

उपसभापति क्यों नहीं?

विपक्ष इस बार लोकसभा में उपसभापति के निर्वाचन को लेकर पुरजोर मांग करेंगे। संवैधानिक रूप से उपसभापति होना अनिवार्य है। अब विपक्ष ताकतवर है। उपसभापति का पद यदि विपक्ष को नहीं भी मिलता है, ऐसी स्थिति में भाजपा को अपने ही किसी सहयोगी दल के सांसद को उपसभापति बनाना होगा। इंडिया गठबंधन ने इसके लिए कमर कस ली है। लोकसभा के अध्यक्ष इस मामले को टाल नहीं पाएंगे। इंडिया गठबंधन अब आसंदी के दबाव में नहीं आता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1658: औरंगजेब ने अपनी ताजपोशी का जश्न मनाया. 1683: इंग्लैंड नरेश के खिलाफ साजिश के सिलसिले में लार्ड विलियम रसेल को मौत के घाट उतार दिया गया. 1718: रोम और तुर्की के बीच युद्ध पैसारोविज संधि के बाद समाप्त हुआ. 1798: नेपोलियन बोनापार्ट ने मिस्त्र पर कब्जा किया. 1906: कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष डब्ल्यू. सी. बनर्जी का निधन हुआ. 1920: शाह फैजल ने सीरिया में फ्रांसिसी शासनादेश को मान्यता प्रदान की. 1947: संविधान सभा ने राष्ट्र ध्वज स्वीकार किया. 1960: श्रीमती सिरिमावो भंडारनायके श्रीलंका की प्रधानमंत्री बनी. 1962: चीन और भारत के बीच सीमा संघर्ष कश्मीर के इलाके में भड़का. 1963: काशी विद्यापीठ को विश्वविद्यालय की मान्यता दी गयी.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	कर्क	05.06 बजे से
चंद्र	वृष में	सिंह	07.26 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.38 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	11.49 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.03 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.19 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.11 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	21.44 बजे से
राहुकाल		मेष	23.14 बजे से
7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	00.55 बजे से
		मिथुन	02.53 बजे से

2025 वर्ष का 202 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि एकादशी 09.39 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 21.07 बजे को समाप्त।
योग वृद्धि 18.39 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.39 बजे तदनन्तर कौलव 20.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 28'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872412
जूलियन दिन 2460877.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 25
विशेष कामिका एकादशी, श्रावण सोमवार व्रत, रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फेस्टिव सीजन पर रॉयल लुक पाने के लिए स्टाइल करें ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट

अगर आप फेस्टिव सीजन में रॉयल लुक पाना चाहती हैं तो आप ये ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट इस खास मौके पर स्टाइल कर सकती हैं जो कि रॉयल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकते हैं।

फेस्टिव सीजन में महिलाएं रॉयल लुक चाहती हैं और इस वजह से वो बेस्ट आउटफिट की तलाश में होती है। वहीं अगर आप भी फेस्टिव सीजन में रॉयल लुक चाहती हैं तो आप ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट स्टाइल कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस के ए-लाइन कुर्ता और प्लाजो सेट दिखा रहे हैं जो आप फेस्टिव सीजन पर पहनने के लिए बेस्ट हैं। इस तरह के आउटफिट में जहां आपका लुक रॉयल नजर आएगा तो वहीं भीड़ से भी अलग नजर आएंगी।

एम्ब्रॉयडरी जॉर्जेट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो

अगर आप कुछ न्यू चाहती हैं तो आप इस तरह की एम्ब्रॉयडरी जॉर्जेट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो सेट स्टाइल कर सकती हैं। इस ए-लाइन कुर्ता में एम्ब्रायडरी वर्क किया है साथ ही जो प्लाजो हैं वो सिंपल है। इस तरह के आउटफिट में जहां आप खूबसूरत नजर आएंगी तो वहीं आपका लुक भी सबसे अलग नजर आएगा। यह आउटफिट आप 2000 से 3000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं। इस एम्ब्रॉयडरी जॉर्जेट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो के साथ आप फुटवियर में मोजरी साथ ही ज्वेलरी में झुमके स्टाइल कर सकती हैं। रॉयल लुक के लिए आप इस तरह की ए-लाइन कुर्ता प्लाजो भी स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की ए-लाइन कुर्ता प्लाजो के साथ मिरर वर्क वाली ज्वेलरी साथ साथ ही फुटवियर में मोजरी पहन सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो

अगर आप न्यू लुक चाहती है तो आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट ए-लाइन कुर्ता प्लाजो का भी चुनाव कर सकती हैं। ये सूट फ्लोरल पैटर्न में है और कॉटन फैब्रिक में है। ये आउटफिट स्लीवलेस है और फेस्टिव सीजन पर रॉयल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है। इस तरह का आउटफिट आपको 2000 तक की कीमत में मिल जाएगा।

परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई तो होता ही है, यह सामाजिक व्यवहार का छोटा आईना भी होता है। यहां जैसा आचरण, जैसा स्वरूप इंसान रखता है, दुनिया में भी उसकी स्थिति कमोबेश वैसी ही होती है। इसीलिए कहा जाता है कि सारे रवैए घर से दुरुस्त करते चलें। अनुशासन और नियम इसमें मदद करते हैं।

सामाजिक व्यवहार का आईना होता है परिवार

घर का मुखिया अनुशासित होता है, तो परिवार भी अनुशासन में रहता है। परिवार कितना विकसित होता है और कैसे एक खुशहाल और मजबूत परिवार के रूप में उभरकर आता है यह निर्भर करता है उस घर के 'मुखिया' पर। उनका घर के छोटे और बड़े सदस्यों के प्रति व्यवहार व अनुशासन प्रणाली इस प्रकार होनी चाहिए जो परिवार को एक मजबूत व प्रेम की डोरी में बांधकर रख सके। और इसकी शुरुआत होती है घर के छोटे सदस्यों के बालपन से। परिवार के छोटे सदस्य अपने बड़ों से दो प्रकार से सीखते हैं, पहला, जो उन्हें बोलकर सिखाया जाता है, दूसरा, जो बोला है उसे करके दिखाकर। स्पष्ट है, आचरण बोलकर नहीं, अभ्यास में लाकर सिखाया जाता है।

पर अनुशासन जरूरी क्यों है?

हम कई बार किसी भी व्यक्ति के लिए सुनते हैं कि 'वह अच्छे परिवार से है', लेकिन सवाल यह है कि 'अच्छा परिवार' बनता कैसे है? अच्छा परिवार यानी अनुशासित और जिम्मेदार परिवार, जहां हर सदस्य नियम और कायदों के साथ चलता है। नियम ही परिवार, मनुष्य और वस्तुओं के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करते हैं। परिजनों, मेहमानों, मूक प्राणियों की भावनाओं तथा वस्तुओं और व्यवस्थाओं के प्रति संवेदनशीलता की जैसी कद्र इंसान घर में करेगा, वैसा ही उसका आचरण बाहर की दुनिया में होगा। नियम और कायदे परिवार की नींव हैं, जो व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाते हैं। इससे सबका जीवन समान रूप से व्यतीत होता है और वे परिवार के प्रति जिम्मेदार बनते हैं। जिम्मेदारी का भाव घर के साथ-साथ बाहर भी कायम रहता है।इस तरह तय कर सकते हैं नियम -

एक वक्त का खाना साथ खाएं

कहते हैं कि जो परिवार साथ बैठकर खाना खाता है वो हमेशा एक-साथ होता है। साथ खाना खाने से रिश्ते मजबूत होते हैं और एक-दूसरे के अनुभव साझा करने के लिए भी वक्त मिल जाता है। घर के बड़े एक ऐसा वक्त चुन सकते हैं जब पूरा परिवार घर पर मौजूद हो, जैसे कि रात का भोजन साथ कर सकते हैं। यह नियम भी होना चाहिए कि भोजन करते समय कोई अन्य कार्य नहीं करेगा जैसे कि ना तो मोबाइल का इस्तेमाल करना है और ना ही टीवी देखना है। ध्यान केवल परिवार और भोजन पर होना चाहिए।

प्रार्थना भी सभी सदस्यों के साथ करें

जब हम प्रार्थना, पूजापाठ या इबादत करते हैं, तो अपने साथ-साथ दूसरों के लिए भी प्रार्थना करते हैं। यदि बच्चों को इसमें शामिल करेंगे, तो उनमें स्वार्थ का भाव दूर होने के साथ-साथ दूसरों के लिए प्रार्थना करने का भाव विकसित होगा। इसका दूसरा फायदा यह भी है कि यदि रीति-रिवाज बच्चों में छुटपन से ही डालेंगे, तो वे इन्हें समझेंगे, संस्कारी बनेंगे और जानकार भी। सुबह और शाम के समय यदि बच्चे घर पर मौजूद हैं, तो उन्हें पूजापाठ में शामिल करें। बड़ों के द्वारा की जा रही विधियों को देखकर ही बच्चे सीख सकते हैं। एक समय की प्रार्थना में पूरे परिवार की उपस्थिति अनिवार्य करें। जब एक-साथ प्रार्थना करेंगे, तो साथ मजबूती से खड़े हो सकेंगे।

सबके दायरे तय करें

घर में किस समस्या की चर्चा पर कौन शामिल होगा और किस हद तक शामिल होगा यह घर के मुखिया को तय करना होगा। छोटे किन मुद्दों में शामिल होंगे और किन में नहीं ये दायरे तय करने का हक भी सिर्फ घर के मुखिया या बड़ों का होगा। इन सारी बातों से छोटों में एक अनुशासित व्यवहार विकसित होगा, साथ ही साथ परिवार के सदस्यों में प्रेम व सम्मान बना रहेगा।

समय सीमा का नियम बनाएं

कुछ चीजों के लिए समय सीमा तय करें जिसका पालन बच्चों से लेकर बड़ों तक सब करें। एक नियम आठ घंटे की नींद लेने का बनाएं। ये सबके लिए समान हो। ऐसा ना हो कि बच्चों को जल्दी सोने के निर्देश देकर बड़े देर रात तक जागते रहें। दूसरा नियम घर लौटने के समय का है। कोशिश यह करनी है कि हर सदस्य तय समय तक घर लौटकर आ जाए। हालांकि जिनकी देर रात तक दफ्तर में काम करने की मजबूरी है, उन्हें छूट दी जा सकती है, लेकिन अन्य सदस्यों के लिए यह नियम अपरिवर्तनीय होना चाहिए।

भेदभाव पैदा ना होने दें

प्रिय बच्चे या प्रिय बहू-बेटे को लेकर पक्षपात वाला रवैया बड़े ना बनाएं। जिन नियमों में लचीलापन है, वो सबके लिए है और जिनके पालन में छूट नहीं दी जा सकती, वो भी सबके लिए समान हो। फिर भी सवाल उठ सकते हैं, जैसे पहले जिन मामलों में सख्ती थी, अब छूट क्यों है? ऐसे सवालों पर घर के मुखिया को खुलकर बात करनी चाहिए और अपना पक्ष इस तरह स्पष्ट करना चाहिए कि बच्चों के मन में कोई कड़वाहट ना उपजे। सवाल पूछने, जिज्ञासाओं को सामने रखने को प्रोत्साहित कीजिए, यह असरदार और कारगर प्रक्रिया है।

वित्तीय जिम्मेदारी बराबर रखें

संयुक्त परिवार में घर खर्च के हिस्सों को लेकर सबसे ज्यादा मुद्दे खड़े होते हैं। अगर परिवार में दो बेटे हैं, एक की आय दूसरे की तुलना में कम है तो इसे संतुलित करने की जिम्मेदारी भी मुखिया की है। जब घर खर्च को सदस्यों में बांटें, तो फीसदी के हिसाब से तय करें, जैसे हर सदस्य को अपनी आय का पांच या दस फीसदी देना है।

बगीचे में हो गई है अधिक जंगली-घास तो इन तरीकों से हमेशा के लिए हटाए

गार्डनिंग करना लगभग सभी पसंद करते हैं। सप्ताह में कम से कम एक से दो दिन गार्डन में पौधे लगाने, पानी डालने और उसकी अन्य रूप से देखभाल करने के लिए भी समय-समय पर ज़रूर जाते हैं, लेकिन कई बार बगीचे में अनचाही घास उग जाती है, जिसके चलते पौधे ख़राब हो जाते हैं, या कभी-कभी सूख भी जाते हैं। कई बार ये घास जड़ से खत्म भी नहीं होती है, और पौधों को नुकसान पहुंचाते रहते हैं।

अगर आपके भी बगीचे में जंगली घर-फूस कुछ अधिक ही उग गई है, तो आप उसे कुछ ही दिनों में हमेशा के लिए हटा सकती हैं। जी हां, क्यूंकि आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप उन्हें जड़ से खत्म कर सकती हैं। तो चलिए जानते हैं-

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा से घास-फूस को खत्म किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल आप जंगली घास को भी हटाने के लिए कर सकती हैं। इसके लिए आप घास पर इनका छिड़काव अच्छे से कर दीजिये। इससे घास झुलस जाएगी और बगीचे की मिट्टी पर भी इसका कोई असर नहीं पड़ेगा।

गरम पानी

गरम पानी से भी आप जंगली घास को एकदम जड़ से खत्म कर सकती हैं। इसके लिए आप उबलते हुए पानी को जंगली घास वाली जगहों पर डाल दीजिये। एक से दो दिन बाद जंगली घास अपने आप सूखकर मिट्टी में मिल जाएगी। इसी तरह आप सिरके का भी जंगली घास को हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।

नमक

अगर पौधे के आसपास कुछ अधिक ही जंगली घास उग गई है, तो आप उसे हटाने के लिए नमक का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए इस जंगली घास की जड़ों में चुटकी से नमक को डालकर छोड़ दीजिये। एक से दो दिन में ये घास अपने आप मुरझा जाएगी। नमक के डालने से दुबारा जंगली घास उस जगह पर नहीं उगती है।

ब्लीच

ब्लीच बगीचे की अतिरिक्त घास-फूस को जड़ से हटाने में आपकी काफी मदद कर सकता है। आप ब्लीच को घास की जड़ों में रखकर कुछ दिन के लिए छोड़ दीजिये, इससे घास कुछ दिनों में अपने आप सूख जाती है। घास सूख जाने के बाद आप वहां से उन्हें उखाड़ के बाहर फेक दीजिये।

तेल के पुराने कनस्तर को फेंके नहीं, ऐसे करें इसका इस्तेमाल

तेल के पुराने कनस्तरों को फेंकने के बजाय, आप इन्हें कई क्रिएटिव तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं। ये कनस्तर न केवल आपके घर को सजा सकते हैं, बल्कि आपके लिए उपयोगी भी साबित हो सकते हैं। तेल के पुराने कनस्तर को दोबारा इस्तेमाल करने से पहले, आपको उसे साफ करना होगा।

- गर्म पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा और डिश वॉश लिक्विड मिलाएं।
- इस पानी में कनस्तर को डालकर आधा या एक घंटे के लिए छोड़ दें।
- एक घंटे बाद, ब्रश से कनस्तर को साफ करें।
- कनस्तर से पानी निकल जाने या सूख जाने के बाद, आप उसे दोबारा इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अगर कनस्तर चिकना है, तो आप 3-4 गिलास गर्म पानी में 5 चम्मच सिरका और बेकिंग सोडा मिलाकर, उसमें थोड़ा साबुन डाल सकते हैं। फिर, इस पानी से स्क्रब करके कनस्तर को साफ करें।

फूलदान या प्लांटर

पुराने तेल के कनस्तर को अच्छी तरह से धोकर साफ करें और इसे एक सुंदर प्लांटर या फूलदान के तौर पर इस्तेमाल करें। इसे आप अपने बगीचे या बालकनी में रख सकते हैं। इसके लिए, कनस्तर के नीचे कुछ छोटे छेद कर दें, ताकि पानी निकल सके, फिर इसमें मिट्टी भरकर पौधा लगाएं।

स्टोरेज कंटेनर

तेल के कनस्तर को स्टोरेज कंटेनर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें आप गार्डन टूल्स, स्पेयर पार्ट्स, या अन्य छोटे सामान को स्टोर कर सकते हैं। कनस्तर को पेंट करके और सजाकर इसे और आकर्षक बना सकते हैं।

कैंडी या बिस्किट टिन

अगर तेल का कनस्तर छोटा और मेटल का है, तो इसे कैंडी, बिस्किट या ड्राई फ्रूट्स स्टोर करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे अंदर से अच्छी तरह साफ करके, आप इसे खाने वाली चीजों के स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

कचरा रखने के लिए बिन

आप तेल के कनस्तर का इस्तेमाल कचरा रखने के लिए बिन के रूप में कर सकते हैं। इसे घर के बाहर या किचन में रखें और कचरा डालने के लिए इस्तेमाल करें। इससे प्लास्टिक की बर्बादी भी कम होगी और आपके घर में एक नया कचरा रखने के लिए बिन भी तैयार हो जाएगा।

हैंडल या स्कूप

बड़े तेल के कनस्तर को आधे हिस्से में काटकर हैंडल या स्कूप के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। यह गार्डन में मिट्टी उठाने या अन्य घरेलू कार्यों के लिए उपयोगी हो सकता है।

डेकोर आइटम

आप तेल के कनस्तर का उपयोग अलग-अलग डेकोरेटिव आइटम बनाने के लिए कर सकते हैं। इसे पेंट करें, सजाएं और दीवार पर सजावट के लिए या लैंप शेड के रूप में इस्तेमाल करें।

सोना कॉमस्टार ने चीन के इलेक्ट्रिक कार मार्केट में मारी एंट्री

नईदिल्ली, एजेंसी। सोना कॉमस्टार अब चीन के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में उतरेगी। कंपनी जिन्नाइट मशीनरी के साथ मिलकर काम करेगी। इसके लिए सोना कॉमस्टार 1.2 करोड़ डॉलर (लगभग 100 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। इस साझेदारी से कंपनी चीन में इलेक्ट्रिक और गैर-इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पार्ट्स बनाएगी। सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स लिमिटेड (सोना कॉमस्टार) ने

रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी का मुख्यालय गुरुग्राम, हरियाणा में है। यह ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करती है और ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स बनाती है। अभिनेत्री करिश्मा कपूर का सोना बीएलडब्ल्यू प्रिसिजन फोर्जिंग्स लिमिटेड से सीधा संबंध उनके पूर्व पति और अब दुनिया में नहीं रहे संजय कपूर के कारण है। संजय कपूर सोना कॉमस्टार के चेयरमैन थे। वह इस कंपनी के मालिक परिवार से थे। उन्होंने 2015 में अपने पिता सुरिंदर कपूर के निधन के बाद कंपनी की बागडोर संभाली थी। उनके नेतृत्व में कंपनी ने काफी तरक्की की और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई। सोना कॉमस्टार ने जिन्नाइट मशीनरी कंपनी लिमिटेड (जेएनटी) के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां चीन में एक साथ मिलकर काम करेंगी। सोना कॉमस्टार इस कंपनी में 1.2 करोड़ डॉलर लगाएगी। इससे कंपनी को 60 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी। जेएनटी 80 लाख डॉलर का निवेश करेगी।

एडीबी ने त्रिपुरा के औद्योगिक क्षेत्रों के लिए दिया 975 करोड़ का ऋण

बुनियादी ढांचा निर्माण पर होगा खर्च

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 975.26 करोड़ रुपये के ऋण को मंजूरी दी है। त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसी) के अध्यक्ष नबादल बानिक ने कहा कि इस परियोजना के तहत औद्योगिक शेड, बिजली सबस्टेशन, भूमिगत बिजली लाइनें, अग्निशमन सेवा स्टेशन और 34 सड़कों का

निर्माण किया जाएगा। उन्होंने पीटीआई को बताया, एडीबी ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में विकास के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण हेतु 975.26 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया है। इसका कार्यान्वयन जारी है। उन्होंने बताया कि बोधजंगनगर, आरके नगर, दुकली और एएन नगर औद्योगिक क्षेत्र इन नौ क्षेत्रों में शामिल हैं। बनिक ने कहा कि राज्य सरकार ने दक्षिण त्रिपुरा में संतिरबाजार (127 एकड़) और उनाकोटी जिले में फटीक्रोय (28 एकड़) में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के लिए भूखंड सौंप दिए हैं। उन्होंने कहा, टीआईडीसी ने दो नए क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए सीमांकन का काम शुरू कर दिया है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उद्योगों के लिए आवंटित कोई भी जमीन लंबे समय तक अप्रयुक्त न रहे।
उनके अनुसार, टीआईडीसी ने 24 निष्क्रिय औद्योगिक इकाइयों से 28 एकड़ भूमि वापस प्राप्त कर ली है, क्योंकि पूर्वोत्तर राज्य में उद्योग स्थापित करने के लिए नए उद्यमी आ रहे हैं।

रूस से तेल खरीद पर यूरोपीय संघ का प्रतिबंध

भारत के 15 अरब डॉलर के निर्यात पर मंडरा रहा खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय संघ (ईयू) ने रूस को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत ईयू ने रूस से परोक्ष रूप से आने वाले तेल पर नई पाबंदिया लगाई हैं। ऐसे में अब इसका असर भारत पर भी देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट की माने तो यूरोपीय संघ के इस कदम से भारत के पेट्रोलियम उत्पादों के 15 अरब डॉलर के निर्यात पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यह जानकारी आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने दी है। बता दें कि ईयू के 27 देशों ने अपने

18वें प्रतिबंध पैकेज के तहत यह फैसला लिया है, जिसमें रूस के ऊर्जा क्षेत्र की आय को कम करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। अब यूरोपीय संघ किसी भी तीसरे देश से ऐसे पेट्रोलियम उत्पादों का आयात नहीं करेगा, जो रूसी कच्चे तेल से बने हों। इससे भारत, तुर्की और यूएई जैसे देश प्रभावित होंगे, जो रूस से तेल खरीदकर रिफाइन कर यूरोप को डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन बेचते हैं।

भारत पर कितना होगा असर

यूरोपीय संघ के इस कदम से भारत पर पड़ने वाले असर की बात करें तो जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि भारत के लगभग 5 अरब डॉलर मूल्य के पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत ने यूरोपीय संघ को 19.2 अरब डॉलर का पेट्रोलियम निर्यात किया था।

'मेक इन इंडिया' से मालामाल हो रहीं खस्ताहाल कंपनियां

डिफेंस सेक्टर को सबसे ज्यादा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। मेक इन इंडिया के तहत जहां देश में उत्पादन बढ़ रहा है, वहीं सार्वजनिक क्षेत्र की अनेक खस्ताहाल कंपनियां मालामाल होने लगी हैं। दरअसल, मेक इन इंडिया में सरकारी कंपनियों का भी उत्पादन बढ़ा है। सरकार भी खुलकर उनसे खरीद कर रही है, या उनकी सेवाएं ले रही है।

मदन जैड़ा- सरकार ने मेक इन इंडिया के तहत ज्यादा से ज्यादा उत्पादन देश में ही करने की मुहिम शुरू की है। इससे जहां देश में उत्पादन बढ़ रहा है, वहीं सार्वजनिक क्षेत्र की अनेक खस्ताहाल कंपनियां मालामाल होने लगी हैं। दरअसल, मेक इन इंडिया में सरकारी कंपनियों का भी उत्पादन बढ़ा है। सरकार भी खुलकर उनसे खरीद कर रही है, या उनकी सेवाएं ले रही है।

मेक इन इंडिया का फायदा सबसे ज्यादा डिफेंस सेक्टर की कंपनियों को मिला है। बेहद खराब हालत वाली आयुध निर्माण फैक्टरियों को सरकार ने सार्वजनिक रक्षा कंपनियों के रूप में तब्दील किया। इसके बाद इन कंपनियों को सेनाओं, अर्धसैनिक बलों से बड़ी संख्या में ऑर्डर मिले हैं। कुछ देशों ने भी उनसे गोला-बारूद खरीदा है। इससे खस्ताहाल कंपनियां मालामाल हो गईं। म्यूनिसन इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) का राजस्व जो 2021-22 में 2571 करोड़ था और उसमें कुल मुनाफा महज 22 करोड़ था, वह 2023-24 में कई गुना बढ़ गया। इस वर्ष कंपनी ने 7,322 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जिसमें उसका शुद्ध मुनाफा 559 करोड़ हो गया।

इसी प्रकार इस अवधि में दो और कंपनियों आर्मर्ड व्हीकल्स लिमिटेड (एवीएनएल) का राजस्व 2569 करोड़ से बढ़कर 4663 तथा मुनाफा 54 करोड़ से बढ़कर 605 करोड़ हो गया। एडवांस वैपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) का राजस्व 1089 करोड़ से 2039 तथा मुनाफा 4 करोड़ से 20 करोड़ हुआ।

- **सीडॉट स्वदेशी उपकरण विकसित कर रहा-** संचार मंत्रालय की कंपनी सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सीडॉट) का राजस्व 2020-21 में महज 89 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में बढ़कर 500 करोड़ रुपये पहुंच गया। यह संस्थान टेलीकॉम और आईटी के स्वदेशी उपकरण विकसित कर रहा है। साथ ही आपदा प्रबंधन की तकनीकों, विभिन्न ऐप आदि भी विकसित कर चुका है। सीडॉट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ. राजकुमार उपाध्याय कहते हैं कि सिर्फ देश के लिए ही नहीं बल्कि हम अपनी तकनीकें अब निर्यात करने को भी अग्रसर हैं। हमारे प्रोजेक्ट कंबोडिया, अल सिल्वाडोर तथा मॉरीशस में भी चल रहे हैं। संस्थान ने अब अपने राजस्व को एक हजार करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

रॉकेट बना छोटकू शेयर, इस दिग्गज ने लगाया बड़ा दांव

- **मालिक बेच चुके हैं आधा हिस्सा**

नईदिल्ली, एजेंसी। स्मॉलकैप कंपनी वेंड्ट इंडिया के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। वेंड्ट इंडिया के शेयर सोमवार को बीएसई में 11 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 12750.50 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 50 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। एक महीने में वेंड्ट इंडिया के शेयर 8306.65 रुपये से बढ़कर 12750 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। दिग्गज निवेशक मुकुल महावीर अग्रवाल ने वेंड्ट इंडिया पर बड़ा दांव लगाया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 18000 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 8174.40 रुपये है।

मुकुल अग्रवाल ने खरीदे हैं कंपनी के 50000 शेयर- चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (जून तिमाही) के दौरान दिग्गज निवेशक मुकुल महावीर अग्रवाल ने स्मॉलकैप कंपनी वेंड्ट इंडिया में 2.50 पर्सेंट हिस्सा खरीदा है। यह बात लेटेस्ट शेयरहोल्डिंग में सामने आई है। 30 जून 2025 तक के डेटा के मुताबिक, मुकुल महावीर अग्रवाल के पास कंपनी के 50000 शेयर हैं। वेंड्ट इंडिया सुपर अब्रेसिव, हाई-प्रिसिशन ग्राइडिंग, होनिंग इक्विपमेंट, कस्टम मशीन्स और प्रिसिशन कंपोनेंट्स का प्रॉडक्शन और डिस्ट्रीब्यूशन करती है।

5 साल में 385 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं कंपनी के शेयर- वेंड्ट इंडिया के शेयर पिछले पांच साल में 385 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं।

जीएसटी चोरी में रिकॉर्ड उछाल

आंकड़ा अप्रैल-जून में 29 प्रतिशत बढ़कर 15,851 करोड़ हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसटी अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 15,851 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ी है। फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों के जरिए इसका पता लगाया गया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 29 प्रतिशत अधिक है। हालांकि, जाली कंपनियों की संख्या में सालाना आधार पर कमी आई है।

अधिकारियों के अनुसार, जून तिमाही के दौरान केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई फर्जी कंपनियों और आईटीसी धोखाधड़ी के आंकड़ों के अनुसार, 3,558 फर्जी फर्मों से जुड़े 15,851 करोड़ रुपये का आईटीसी धोखाधड़ी से लिया गया। इस अवधि के दौरान, जीएसटी अधिकारियों ने 53 लोगों को गिरफ्तार किया और 659 करोड़ रुपये बरामद किए गए। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में, जीएसटी अधिकारियों ने 3,840 फर्जी कंपनियों से जुड़े 12,304 करोड़ रुपये के फर्जी आईटीसी का पता लगाया था। 549 करोड़ रुपये बरामद किए गए थे और 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

क्या है आईटीसी मामला

जीएसटी व्यवस्था के तहत, आईटीसी कंपनियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं से खरीदारी पर चुकाए गए करों से है। टैक्स लायबिलिटी का भुगतान करते समय इस कर का दावा क्रेडिट या कटौती के रूप में किया जा सकता है। फर्जी आईटीसी से निपटना जीएसटी प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती रही है, क्योंकि बेईमान तत्व केवल आईटीसी का दावा करने और सरकारी खजाने को चूना लगाने के लिए फर्जी कंपनियां बना लेते हैं। 3500 से अधिक फर्जी कंपनियों का खुलासा जीएसटी अधिकारियों ने पहली तिमाही के दौरान 3,558 फर्जी कंपनियों का भी पता लगाया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के आंकड़े 3,840 से कम है। एक अधिकारी ने बताया कि औसतन हर महीने लगभग 1,200 फर्जी कंपनियां पकड़ में आ रही हैं।

400 के नीचे आया चर्चित डिफेंस स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकारी डिफेंस कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 400 रुपये के नीचे चले आए थे। ऐसे में सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या लॉन्ग टर्म के लिए इस डिफेंस कंपनी पर दांव लगाना सही रहेगा या नहीं बता दें, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड उन कंपनियों में से एक है जिन्होंने निवेशकों को लगातार डिविडेंड दिया है।

कंपनी के 71650 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के पास 1 अप्रैल 2025 तक के डाटा के अनुसार 71650 करोड़ रुपये का ऑर्डर बुक था। जोकि कंपनी की मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

रिटर्न के मामले में कंपनी ने नहीं किया है निराश

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के बाद बीएसई में 394.70 रुपये के लेवल पर बंद हुए थे। बीते एक महीने में इस डिफेंस कंपनी के शेयरों का भाव 1 प्रतिशत से अधिक गिरा है। इसके बाद भी 3 महीने से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने 33 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

निवेशकों को रास नहीं आई रिलायंस की कमाई

नेट प्रॉफिट में 76 प्रतिशत उछाल के बावजूद गिरा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने सोमवार को बड़ी गिरावट दिखाई। हैरानी की बात यह है कि यह गिरावट ऐसे समय आई, जब कंपनी ने जून तिमाही के लिए शानदार नतीजे पेश किए। तेल से लेकर टेलीकॉम तक फैले इस विशाल कारोबारी समूह का शुद्ध मुनाफा पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले पूरे 76 फीसदी बढ़ गया। फिर भी, शेयर की कीमत 2 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 1,448.80 रुपये पर पहुंच गई। ध्यान देने वाली बात है कि शेयर ने सुबह 1,465 रुपये की कीमत पर शुरुआत की थी, जबकि पिछले कारोबारी दिन शुक्रवार को यह 1,476 रुपये पर बंद हुआ था।

कैसे रहे तिमाही नतीजे- मुकेश अंबानी की कंपनी ने अपने सबसे

मजबूत तिमाही नतीजे दिए। टेलीकॉम, रिटेल और तेल-रसायन व्यवसायों में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत, कंपनी ने अब तक का सबसे ज्यादा त्रैमासिक कुल ईबीआईटीडीए और शुद्ध मुनाफा दर्ज किया।

जून तिमाही में, कंपनी का कुल मिलाकर शुद्ध मुनाफा पिछले साल की इसी तिमाही के 17,448 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 30,681 करोड़ रुपये हो गया, जो 75.84 फीसदी की बढ़ोतरी है।

इसने बाजार के अनुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। कुल आय में भी 6 फीसदी की वृद्धि हुई, जो 2,73,252 करोड़ रुपये पर पहुंच गई।

- **अंबानी का नजरिया-** रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, रिलायंस ने वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन के साथ की है। वैश्विक माहौल में काफी उतार-चढ़ाव के बावजूद, इस तिमाही का कुल ईबीआईटीडीएपिछले साल की इसी अवधि की तुलना में मजबूत रहा।
- **शेयर बाजार की प्रतिक्रिया-** इतने अच्छे नतीजों के बाद भी शेयर की कीमत गिरने ने निवेशकों को हैरान कर दिया।

बाजार में अक्सर खबर पर बेचना की प्रवृत्ति देखी जाती है, जहाँ अच्छी खबर आने से पहले ही शेयरों में खरीदारी हो जाती है और खबर आते ही निवेशक मुनाफा वसूलने लगते हैं।

एंथम बायोसाइंस के निवेशक पहले दिन ही झूम गए

27 फीसदी बढ़ कर लिस्ट हुए शेयर

मुंबई, एजेंसी। एंथम बायोसाइंसेस के शेयर बाजार में लिस्ट हो गए। लिस्ट होते ही निवेशकों को अच्छा मुनाफा हुआ। कंपनी के शेयर आईपीओ की कीमत से 27 प्रतिशत ऊपर लिस्ट हुए। बीएसई और ह्स्श्र दोनों पर शेयर 723 रुपये पर खुले। इसका एक शेयर निवेशकों को 570 रुपये में मिला था।

क्या रही शेयर की चाल

बीएसई में एथम बायोसाइंसेज लिमिटेड के शेयर 723.10 रुपये पर लिस्ट हुए, जो कि आईपीओ प्राइस से 27 फीसदी ज्यादा है। थोड़ी ही देर में यह बढ़ कर 746.70 रुपये पर चला गया। शुरुआती 15 मिनट के दौरान नीचे में यह शेयर लिस्ट प्राइस से महज पांच पैसे यानी 723.05 रुपये तक आया है।

67 गुना से ज्यादा मिला था अभिदान

एंथम बायोसाइंसेस का आईपीओ बेहद सफल रहा था। कंपनी ने ऑफर फॉर सेल के जरिए 3,396 करोड़ रुपये जुटाए। एंथम बायोसाइंसेस भारत की एक बड़ी सीआरडीएमओकंपनी है। सीआरडीएमओ का मतलब है कि यह कंपनी दूसरी दवा कंपनियों के लिए रिसर्च और दवा बनाने का काम करती है। यह आईपीओ बीते 14 से 16 जुलाई तक खुला था। इसे निवेशकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। कुल मिलाकर, यह आईपीओ67.4 गुना सब्सक्राइब हुआ था। सबसे ज्यादा बोली क्यूआईबी यानी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने लगाई। उन्होंने अपने हिस्से के शेयरों को 192.8 गुना सब्सक्राइब किया।

- **कब शुरू हुई थी कंपनी-** एंथम बायोसाइंसेस 2006 में शुरू हुई थी। यह कंपनी दवा बनाने के पूरे प्रोसेस में काम करती है। जैसे कि दवा की खोज करना, उसे विकसित करना और फिर उसका उत्पादन करना। यह कंपनी छोटी और बड़ी, दोनों तरह की दवाओं पर काम करती है। एंथम बायोसाइंसेस अभी 196 प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। इसके ग्राहक 44 देशों में फैले हुए हैं। कंपनी फर्मेंटेशन-आधारित एपीएलएस और स्पेशल इंग्रेडिएंट्स भी बनाती है। एपीएलएस का मतलब है दवाओं में इस्तेमाल होने वाले मुख्य तत्व।
- **क्या है कंपनी का अकाउंट्स-** वित्त वर्ष 25 में, एंथम बायोसाइंसेस की आय 30 प्रतिशत बढ़कर 1,930 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी का मुनाफा 23 प्रतिशत बढ़कर 451 करोड़ रुपये हो गया। ई बी आई टी डी ए684 करोड़ रुपये रहा 7

आपको भी मिला है आयकर विभाग से नोटिस तो जरूर करें ये काम

उच्च मूल्य वाले लेनदेन पर रखें नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने हाल ही में कई करदाताओं को नोटिस भेजा है। आयकर नोटिस मिलना चिंताजनक हो सकता है, लेकिन अक्सर इसका मतलब बड़ी मुसीबत नहीं होता। कई नोटिस तो बस सामान्य संदेश होते हैं या उसमें विभाग की ओर से मांगी गई जानकारियां होती हैं। खासकर जब ज्यादातर चीजें ऑनलाइन हो गई हैं। ऐसा तब होता है, जब आपकी ओर से घोषित आय फॉर्म 26एएस या एआईएस (वार्षिक सूचना विवरण) में उपलब्ध आंकड़ों से मेल नहीं खाती। इनमें सामान्य कारणों से दस्तावेज गुम होना, पर्याप्त सबूत के बिना कटौती का दावा करना या कुछ ब्याज आय की सूचना नहीं देना शामिल है। इसके अलावा, उच्च मूल्य वाले लेनदेन और क्रेडिट कार्ड से किए गए बड़े खर्च भी नोटिस मिलने की वजह हो सकते हैं। आपको भी आयकर नोटिस मिला है, तो चिंता की कोई बात नहीं है। आप नोटिस में पूछे गए सवालों का सटीक जवाब दें और इसे समय पर भेजें। अलग-अलग मकसदः आयकर कानून की विभिन्न धाराओं के तहत नोटिस जारी किए जाते हैं। हर नोटिस का अलग उद्देश्य होता है।

धारा-143(1): आयकर विभाग आपके भरे गए आईटीआर की जानकारियों की तुलना अपने पास पहले से मौजूद डाटा से करता है, जिसमें टीडीएस विवरण, बैंक ब्याज या अन्य स्रोतों से आय शामिल है। इसमें कोई गड़बड़ी पाए जाने पर विभाग नोटिस भेज सकता है।

धारा-139(9): इसके तहत गलत जानकारी देने या सूचनाओं के अभाव में आयकर विभाग आपको नोटिस भेज सकता है।

'एक सड़ा अंडा सब कुछ बिगाड़ देता है'

शाहिद अफरीदी ने फिर उगला जहर, WCL 2025 में भारत के पाकिस्तान से खेलने से इनकार करने पर फड़फड़ा उठे

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट जगत में कई बार ऐसे मौके आते हैं जब मैदान के बाहर की घटनाएं सुर्खियों बन जाती हैं। कुछ ऐसा ही मामला हाल ही में सामने आया है जब भारत के पूर्व ओपनर शिखर धवन और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के बीच सोशल मीडिया पर तीखी तकरार देखने को मिली। बात सिर्फ शब्दों की नहीं, बल्कि देशभक्ति, सेना और पुरानी दुश्मनी की भावनाओं से जुड़ गई।

अफरीदी को 'मिर्ची' लगी, धवन को ठहराया जिम्मेदार

शाहिद अफरीदी ने मैच वाले दिन मीडिया से बात करते हुए भारत के न फड़फड़ा उठे। शाहिद अफरीदी ने सीधे तौर पर शिखर धवन को इस फैसले के लिए दोषी ठहराया। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान के अनुसार, शाहिद अफरीदी की मौजूदगी में शिखर धवन के खेलने से खुले तौर पर इनकार करने से भारतीय खेमे में भारी उथल-पुथल मच गई।शाहिद अफरीदी ने स्थानीय पत्रकारों से कहा, 'खेल देशों को करीब लाता है। अगर हर चीज के बीच में राजनीति आ गई तो आप आगे कैसे बढ़ेंगे? लेकिन आप जानते हैं कि हमेशा एक सड़ा हुआ अंडा होता है, जो सब कुछ खराब कर देता है।' शाहिद अफरीदी ने शुरुआत में शिखर धवन का नाम लिए बिना निशाना साधा और बाद में भारतीय दिग्गज को ही इस विवाद का कारण बता डाला।

'घर पर ही रहना चाहिए था'

शाहिद अफरीदी ने शिखर धवन को 'अड़चन डालने वाला' करार दिया। शाहिद अफरीदी ने सुझाव दिया कि पूरी भारतीय टीम को आखिरी समय में हटने के बजाय भारत में ही रहना चाहिए था। अफरीदी ने कहा, 'उन्होंने मैच से एक दिन पहले अभ्यास किया था। मुझे लगता है कि उन्होंने सिर्फ एक खिलाड़ी की से मैच से हटने का फैसला किया। भारतीय टीम भी बहुत निराश है। वे यहां खेलने आए थे। आपको देश के लिए एक अच्छा राजदूत बनना चाहिए, न कि शर्मिंदगी।'

अफरीदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर की थी विवादित टिप्पणी

विवाद की शुरुआत तब हुई जब शाहिद अफरीदी ने पहलगाम आतंकी हमले पर टिप्पणी करते हुए भारतीय सेना पर सवाल उठाए। अफरीदी ने कहा, 'आपकी 8 लाख की फौज कुछ नहीं कर पाई। तुम्हारे देश में हर समय आतंकवाद होता है।' यह बात कई भारतीयों को खटकी, लेकिन सबसे सटीक जवाब शिखर धवन ने दिया। शिखर धवन ने अफरीदी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'कारगिल में भी तुम्हें हराया था, तुम्हारी हालत पहले से ही खराब है और कितना नीचे गिरोगे? हमें अपनी सेना पर गर्व है। भारत माता की जय।' शाहिद अफरीदी ने इस पर तंज कसते हुए शिखर धवन को 'चाय' ऑफर की। शाहिद अफरीदी ने ङ्क (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'छोड़ो जीत-हार को, आओ तुम्हें चाय पिलाता हूं शिखर।' यह टिप्पणी विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के 2019 में पकड़े जाने के बाद पाकिस्तान द्वारा 'चाय पिलाने' की घटना की ओर इशारा करती है, जिसे भारत में अपमानजनक माना गया था। विवाद यही नहीं रुका। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में रविवार 20 जुलाई को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच रद्द कर दिया गया। भारत के कई खिलाड़ियों ने कथित तौर पर इस प्रदर्शनी मैच से हटने का फैसला संवेदनशील कूटनीतिक मौकों पर, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के खिलाफ शाहिद अफरीदी की पिछली टिप्पणियों का हवाला देते हुए किया।

अफरीदी के बदलते सुर

दिलचस्प यह है कि शाहिद अफरीदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खुद को एक शांतिप्रिय क्रिकेट दूत के रूप में पेश किया। अफरीदी ने कहा, 'मैं यहां क्रिकेट खेलने आया हूं, राजनीति करने नहीं। अगर वह मेरी वजह से खेलना नहीं चाहते, तो मैं घर पर ही रहता। क्रिकेट चलता रहना चाहिए था। क्रिकेट के सामने शाहिद अफरीदी कौन हैं? कोई नहीं।'

अफरीदी का यह बयान अप्रैल 2025 में उस विवादास्पद बयान के विपरीत था, जिसमें पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने भारत सरकार पर पाकिस्तान को बदनाम करने के लिए पहलगाम में अपने ही नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। अफरीदी ने पाकिस्तान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था, 'भारत खुद आतंकवाद फैलाता है, अपने ही लोगों को मरवाता है और फिर दोष पाकिस्तान पर मढ़ देता है।'

सोशल मीडिया पर मचा था बवाल

एजबेस्टन में भारत बनाम पाकिस्तान मैच का रद्द होना सिर्फ टीम के आंतरिक फैसलों पर आधारित नहीं था। मैच की घोषणा के बाद भारतीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त हंगामा मच गया। कई लोगों ने सीमा पर तनाव के बीच पाकिस्तानी क्रिकेटर्स से जुड़े मैच में पूर्व भारतीय खिलाड़ियों के खेलने की नैतिकता पर सवाल उठाए। इस साल की शुरुआत में भारत द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जाने के बाद से दोनों देशों के बीच यह पहला क्रिकेट मैच था, जिसने कूटनीतिक दुश्मनी को और बढ़ा दिया था।

अफरीदी की मौजूदगी से भारतीय खिलाड़ी असहज

भारतीय टीम के करीबी सूत्रों ने खुलासा किया है कि भारत के खिलाफ अफरीदी की टिप्पणी के बाद कई खिलाड़ियों ने उनके साथ मैदान साझा करने में असहजता जताई। टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ियों में से एक शिखर धवन ने सार्वजनिक रूप से कहा कि अगर अफरीदी मौजूद रहते हैं तो वह मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। इस मैच का रद्द होना दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों के लिए बड़ा झटका है। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 के आयोजकों को उम्मीद थी कि भारत बनाम पाकिस्तान मैच स्टार पावर और दर्शकों की ऊर्जा से भरपूर होगा, खासकर तब जब मैच में लगभग 18 हजार प्रशंसकों के आने की उम्मीद थी।

फिडे विमेन वर्ल्ड कप

कोनेरू हंपी सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला; वैशाली को हार मिली

बटुमी, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने जॉर्जिया के बटुमी में खेले जा रहे फिडे विमेन वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। वह यहां तक का सफर तय करने वाली पहली भारतीय महिला चेस खिलाड़ी हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में चीन की सॉन्ग युक्सिन को हराकर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।हम्पी ने रविवार को क्वार्टर फाइनल के खेले गए दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी को ड्रॉ पर रोका। इससे पहले उन्होंने शनिवार रात बटुमी में दो गेमों की क्वार्टर फ़ाइनल सीरीज का पहला गेम जीतकर बढ़त हासिल कर ली थी। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में, हरिका द्रोणावल्ली और उभरती हुई स्टार दिव्या देशमुख के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। हालांकि, इनमें से एक का सेमीफाइनल में जाने पर फैसला सोमवार को खेले जाने वाले दूसरे गेम के बाद होगा। इससे पहले हम्पी ने स्विट्जरलैंड की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक को टाईब्रेक्स में 1.5-0.5 से हरा कर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था। पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची इस टूर्नामेंट में पहली बार भारत की चार महिला खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में पहुंची। कोनेरू हंपी के अलावा हरिका द्रोणवल्ली, आर. वैशाली और दिव्या देशमुख ने क्वार्टरफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।वैशाली को मिली हार वैशाली रमेशबाबू को चीन की तीसरी वरीयता प्राप्त तान झोंगयी से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इस टूर्नामेंट में उनका अभियान समाप्त हो गया। वैशाली ने कजाकिस्तान की मेरुएर्त कमालिदेनोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया था।

प्रोफेशनल बॉक्सिंग

युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के उसिक बने हैवीवेट चैंपियन, डुबोइस को नॉकआउट कर जीता खिताब

लंदन, एजेंसी। डुबोइस को नॉकआउट कर 38 वर्षीय ओलेक्जेंडर उसिक दूसरी बार बने विश्व विजेता। उन्होंने अब तक 24 फाइट की हैं और सभी जीतीं भी हैं। युद्ध से जूझ रहे यूक्रेन के 38 वर्षीय पेशेवर मुक्केबाज ओलेक्जेंडर उसिक ने वेम्बली स्टेडियम में ब्रिटेन के डैनियल डुबोइस को पांचवें राउंड में नॉकआउट कर दोबारा निर्विवाद विश्व हैवीवेट चैंपियन का खिताब हासिल किया। उसिक ने डुबोइस को एक जोरदार बाएं हुक से हराया, जिससे वह विश्व मुक्केबाजी संघ, परिषद और संगठन के बेल्ट्स बरकरार रखने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ बेल्ट भी वापस जीतने में सफल रहे। उसिक ने पिछले साल फ्यूरी को दो बार हराकर निर्विवाद हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता था। उसिक अब दो बार खिताब जीतने वाले लीजेंड मोहम्मद अली और फ्लोएड पैटरसन के बाद तीसरे खिलाड़ी बन गए। उसिक ने कहा, मैंने साढ़े तीन महीने तैयारी की और इस दौरान परिवार और अपनी पत्नी को नहीं देखा। मैं घर वापस जाना चाहता हूं।

पाकिस्तान को भारत में लग रहा डर! हॉकी टीम भेजने से किया इनकार

एशिया कप हॉकी 2025 का आयोजन अगले महीने भारत में होना है. इस टूर्नामेंट में पाकिस्तानी टीम के भाग लेने पर सस्पेंस खड़ा हो गया है. पाकिस्तानी हॉकी टीम भारत आकर इस टूर्नामेंट में भाग नहीं लेना चाहती है. पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और एशियन हॉकी फेडरेशन को सूचित किया है कि एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में टीम भेजना उसके लिए मुश्किल होगा.

पीएचएफ ने पत्र में क्या लिखा?

पाकिस्तानी हॉकी महासंघ ने इसके पीछे की वजह सुरक्षा कारणों को बताया है. पाकिस्तान हॉकी महासंघ के प्रमुख तारीक बुगती ने कहा कि मौजूदा हालात में पाकिस्तानी टीम को सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ सकता है. इसलिए उन्होंने टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर संकोच जताया है. मौजूदा हालात में भारत जाकर खेलना हमारी टीम के लिए जोखिम भरा हो सकता है. हमने उन्हें सूचित कर दिया है कि हमारे खिलाड़ी एशिया कप के लिए भारत आने के इच्छुक नहीं हैं, जो कि एक डायरेक्ट क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है.

तारिक बुगती ने कहा कि अब इस टूर्नामेंट के आयोजन और पाकिस्तान के मैचों के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी एफआईएच और एएचएफ पर है. उन्होंने कहा, हमने उनसे पूछा है कि क्या गारंटी है कि हमारे खिलाड़ी भारत में सुरक्षित रहेंगे और टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे.

तारिक का बयान हास्यास्पद

तारिक बुगती का बयान काफी हास्यास्पद लगता है. पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देने वाला देश है और सुरक्षा चिंताएं तो सबसे ज्यादा उनके देश में है. भारत बड़े-बड़े खेल टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुका है और दुनिय भर के खिलाड़ी भारत में आकर खेलना चाहते हैं. पाकिस्तान सरकार ने अभी तक मुद्दे कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, लेकिन हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि टीम भारत नहीं आएगी. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसी तरह की धमकी 2023 के क्रिकेट वर्ल्ड कप से पहले दी थी. तब

उसने अपनी टीम को शुरुआत में भारत भेजने से इनकार किया था. लेकिन बाद में पाकिस्तानी क्रिकेट टीम भारत आई. ये अलग बात रही कि उसका प्रदर्शन उस टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा था और वो सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी थी.

आंद्रे अगासी के साथ तीन दिन का ट्रेनिंग सेशन, होल्गर रूने को मिले टिप्स

वाशिंगटन, एजेंसी । दुनिया के नंबर 8 टेनिस खिलाड़ी होल्गर रूने ने डीसी ओपन से पहले वॉशिंगटन डीसी में आंद्रे अगासी के साथ तीन दिन का ट्रेनिंग सेशन किया, जिसमें उन्हें जरूरी सलाह मिली। इस ट्रेनिंग के बाद रूने खुद को और मजबूत महसूस कर रहे हैं। अमेरिकी समर हार्ड-कोर्ट सीजन की तैयारी के लिए बढ़त हासिल करने की चाहत रखते वाले होल्गर रूने ने दो बार के यूएस ओपन चैंपियन अगासी से मदद मांगी, ताकि वह अपने खेल को बेहतर बना सकें।

ट्रेनिंग उसी जगह हुई, जहां अगासी ने अपने करियर के 60 में से पांच खिताब जीते थे। रूने ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा यह एक शानदार अनुभव था। हम काफी समय से संपर्क में थे। वॉशिंगटन में हमने कुछ दिन साथ में बिताए, जहां उन्होंने मुझे कुछ चीजों में मदद की। यह मेरे लिए वाकई खुशी की बात थी। वह बेहद समझदार इंसान हैं। मैंने आज तक ऐसा कोई नहीं देखा, जो खेल को उनके नजरिए से देखता हो। उनका खुद का रिटर्न गेम शानदार था। मेरा भी रिटर्न अच्छा है। उन्होंने वहां कुछ टिप्स दिए, सलाह भी दी। उन्होंने कहा, बहुत ही कम समय की मुलाकात में उन्होंने बताया कि वह मुझे भविष्य में कहां देखते हैं, अभी कहां देखते हैं। जाहिर है कि मुझे अभी

बहुत कुछ सुधारना है। उन्होंने मेरे कोच लार्स के साथ मिलकर मेरा ध्यान सही चीजों पर फोकस करने में मदद की। उनके साथ वक्त बिताना वाकई बहुत अच्छा रहा। मैंने उन्हें यू-ट्यूब पर खूब देखा है। उनका स्टाइल और खेलने का तरीका कमाल का था। उनका करियर अपने आप में बहुत कुछ कहता है। जब रूने से पूछा गया कि क्या वह भविष्य में आंद्रे अगासी के साथ फिर से काम करना चाहेंगे, तो पूर्व वर्ल्ड नंबर 4 खिलाड़ी ने कहा, वह एक शानदार इंसान हैं। मैं जरूर ऐसा चाहूंगा। रूने ने इस साल कार्लोस अल्काराज को हराकर बार्सिलोना में एटीपी 500 खिताब जीता था। वह इंडियन वेल्स में एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंचे थे। हालांकि, इस सीजन उन्हें छह बार पहले दौर में हार का सामना भी करना पड़ा, जिसमें विंबलडन में उनका पिछला मुकाबला भी शामिल है।

अरोनियन ने जीता फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम खिताब, सातवें स्थान पर प्रज्ञानानंद

लास वेगास, एजेंसी। लेवोन अरोनियन ने फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हांस नीमन को 1.5-0.5 से हराकर खिताब अपने नाम किया। 42 वर्षीय अरोनियन ने पिछले सप्ताह मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा को शिकस्त दी थी। लास वेगास के विंन होटल में फाइनल की पहली बाजी ड्रॉ रही, लेकिन दूसरी बाजी में शानदार जीत दर्ज करते हुए उन्होंने खिताब और दो लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि अपने नाम की। दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-0.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्हें 1,60,000 अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने फाबियानो कारुआना को 2-0 से हराकर पांचवां स्थान प्राप्त किया, जबकि

प्रज्ञानानंद रमेशबाबू ने वेसली सो को 1.5-0.5 से हराकर सातवां स्थान हासिल किया।

लेवोन अरोनियन ने खिताब जीतने के बाद कहा, यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी जीत में से एक है। मैं इस अवसर के लिए बेहद खुश और आभारी हूं। हांस नीमन अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के करीब पहुंच गए थे, लेकिन उन्हें उपविजेता रहते हुए 1,40,000 अमेरिकी डॉलर के साथ संतोष करना पड़ा। वर्ल्ड नंबर 1 कार्लसन ने हिकारू नाकामुरा को 1.5-5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। पहले गेम में बराबरी के बाद, कार्लसन ने दूसरे गेम में दबाव बनाया और बढ़त को भुनाते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। फ्रीस्टाइल शतरंज की रिपोर्ट के अनुसार, लास वेगास में खिताबी मुकाबले से चूकने के बावजूद, इस नतीजे के साथ कार्लसन ग्रैंड स्लैम टूर की ओवरऑल स्टैंडिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। फाबियानो कारुआना पिछले दिन की तुलना में अधिक उत्साह से भरे नजर आ रहे थे। उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी को दो बार हराया और टूर्नामेंट में पांचवां स्थान हासिल किया।

नुवान कुलशेखरा छोटे से शहर से निकला वो गेंदबाज, जिसने विश्व क्रिकेट में जमाई धाक

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के एक छोटे से शहर, निट्टंबुवा में 22 जुलाई 1982 को जन्मे नुवान कुलशेखरा ने 21 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मैच में डेब्यू किया। दुबले-पतले नुवान कुलेशखरा ने इंग्लैंड के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में 9 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 19 रन देकर 2 शिकार किए। नुवान कुलशेखरा अपने डेब्यू वनडे मैच में ही छाप छोड़ चुके थे, लेकिन टेस्ट फॉर्मेट के लिए उन्हें थोड़ा इंतजार करना पड़ गया। नुवान ने अप्रैल 2005 में पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेला। साल 2006 में इंग्लैंड के खिलाफ 10वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 133 गेंदों में 63 रन की पारी खेली। यह मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। अप्रैल 2008 से 12 महीनों के भीतर 29 मैचों में 20.97 की औसत से 47 विकेट लिए, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 28 और इकॉनमी रेट 4.45 रहा। लंबे रन-अप के साथ गेंदबाजी करने वाले कुलशेखरा गेंद को स्विंग कराने में उस्ताद थे।

25 रन बनाते ही कप्तान शुभमन गिल रच देंगे नया इतिहास... टूटेगा इस पाकिस्तानी दिग्गज का 19 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई (बुधवार) से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर टेस्ट मैच खेला जाना है. भारतीय टीम पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से पीछे हैं, ऐसे में ये मुकाबला उसके लिए करो या मरो का है. अगर भारत मैनचेस्टर टेस्ट हारता है या ड्रॉ करता है, तो सीरीज जीतने का मौका गंवा देगा. इस मुकाबले में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल पर सबकी निगाहें होंगी.शुभमन गिल टेस्ट क्रिकेट में नया कीर्तिमान रचने के बेहद करीब हैं. यदि शुभमन मैनचेस्टर टेस्ट मैच में 25 रन बनाते हैं, तो वो 19 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त कर देंगे. शुभमन 25 रन बनाते ही इंग्लैंड में किसी द्विपक्षीय टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन जाएंगे.

फिलहाल ये रिकॉर्ड पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ के नाम दर्ज है. दाएं हाथ के बल्लेबाज मोहम्मद यूसुफ ने साल 2006 में

इंग्लैंड में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज में 90.14 की बेहतरीन औसत से 631 रन बनाए थे. अब शुभमन गिल के पास मोहम्मद यूसुफ को पछाड़ने का सुनहरा मौका है. शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में अब तक 3 मैचों में 607 रन बनाए हैं. इस दौरान उनका औसत 101.16 रहा और उन्होंने तीन शतक लगाए. भारतीय कप्तान का मौजूदा सीरीज में सर्वोच्च स्कोर 269 रन रहा है, जो उन्होंने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में बनाया.भारतीय टीम के पूर्व कोच ग्रेग चैपल ने शुभमन गिल को लेकर बड़ी बात कही है. चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइंफो में अपने कॉलम में लिखा, ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट शुभमन गिल के अब तक के करियर की सबसे बड़ी परीक्षा होगी. सिर्फ एक बल्लेबाज के तौर पर नहीं, बल्कि कप्तान के तौर पर भी. चैपल का मानना है कि गिल के पास सीखने का समय बहुत कम है और वो अपनी भावनाएं नहीं दिखा सकते.

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी इंग्लैंड दौरे से बाहर

मैनचेस्टर, एजेंसी। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। रविवार को प्रैक्टिस सेशन के समय नीतीश को घुटने में चोट लगी थी। सोमवार को मीडिया रिलीज में बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट से पहले ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी पूरी टेस्ट सीरीज से और लेफ्ट आर्म पेसर अर्शदीप सिंह मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अर्शदीप सिंह को बेकेनहम में नेट प्रैक्टिस के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में चोट लगी थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी हालत पर नजर रखे हुए है। अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। वह मैनचेस्टर में टीम के साथ जुड़ चुके हैं। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से शुरू होगा। इससे पहले खबर आई थी कि तेज गेंदबाज आकाश दीप भी चोट के कारण चौथे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे।

17 की नाजुक उम्र में एक्ट्रेस ने की फिल्मों में एंट्री

इस बॉलीवुड एक्ट्रेस ने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री ली थी. इस एक्ट्रेस ने साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है. लेकिन एक गंभीर आरोप की वजह से करियर खराब हो गया.

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे विवाद रहें हैं, जिस वजह से स्टार्स का करियर खराब हो गया हो. आज हम आपको एक ऐसी ही एक्ट्रेस के बारे में बता रहें हैं. इस एक्ट्रेस ने बहुत कम उम्र में फिल्मों में कदम रखा था. वहीं अपनी शानदार एक्टिंग से इसने हर किसी का दिल जीत लिया था. लेकिन एक गलती की वजह से इस एक्ट्रेस का जीवन तबाह हो गया. इस एक्ट्रेस का करियर खराब हो गया.

हम आपको जिस एक्ट्रेस के बारे में बता रहें हैं उसका नाम श्वेता बसु प्रसाद है. इस एक्ट्रेस ने एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था. वहीं एक्ट्रेस ने बहुत जल्दी कई रिकॉर्ड भी तोड़ दिए. लेकिन इसकी खराब किस्मत ने इसके हाथ से स्टारडम छीन लिया था. इस एक्ट्रेस का करियर इस कदर बर्बाद हुआ की काम मिलना भी मुश्किल हो गया था. वहीं बाद में एक्ट्रेस ने वापस कमबैक किया तो हर कोई हैरान हो गया था.

श्वेता बसु प्रसाद के बारे में

श्वेता बसु प्रसाद का जन्म 11 जनवरी 1991 को हुआ था. श्वेता को भले ही बॉलीवुड के लोग कम जानते हों लेकिन साउथ की ये सुपरस्टार थीं. एक्ट्रेस ने महज 17 साल की उम्र में फिल्मों में काम करना शरू कर दिया था. इन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया है. उस दौर में लोग इनके दीवाने थे. साउथ में काजल अग्रवाल और सामंथा से भी ज्यादा फेमस थीं.

नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला

श्वेता ने साउथ फिल्म मकड़ी में बतौर एक चाइल्ड आर्टिस्ट किरदार निभाया था. इसमें उन्होंने बहुत शानदार किरदार निभाया था. इसके लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था. इसके बाद एक्ट्रेस ने एक से बढ़कर एक बहुत शानदार फिल्में दी. एक्ट्रेस ने साउथ के इकबाल फिल्म के बाद एडल्ट किरदार निभाने लगीं. एक्ट्रेस ने बहुत जल्दी स्टारडम हासिल किया. लोग इनकी एक्टिंग को बहुत पसंद करते हैं. इनकी खूबसूरती और एक्टिंग ने लोगों का दिल जीत लिया था.

साऊथ फिल्म

श्वेता बसु ने कोठा बंगारु लोकम फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखा था. ये फिल्म साल 2008 में रिलीज हुई थी. फिल्म की कहानी बहुत शानदार थी. इस फिल्म में एक लव स्टोरी दिखाई गई है. लेकिन इस फिल्म को लोगों ने बहुत ज्यादा पसंद किया था. वहीं एक्ट्रेस की मासूमियत और सादगी ने सबको दीवाना बना लिया था. इस फिल्म के बाद उन्होंने राइड, कास्को, कलवर किंग जैसी नॉर्मल फिल्म की. उन्हें कोई बड़ी फिल्म का ऑफर नहीं मिला था.

नहीं मिली कोई फिल्म

अच्छी फिल्में करने के बाद भी उन्हें कोई ऑफर नहीं मिलने की वजह से उन्होंने अपने जीवन की सबसे बड़ी गलती कर दी. साल 2014 में एक्ट्रेस को 5 स्टार होटल से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. श्वेता को वेश्यावृत्ति के आरोप में गिरफ्तार किया गया था. इस खबर से फैंस और बाकि स्टार्स को बहुत बड़ा झटका लगा था.

पुलिस ने दिया क्लीन चिट

श्वेता ने अपनी सफाई में बताया कि, वो हैदराबाद में एक इवेंट के लिए गई थीं और उन पर झूठे आरोप लगाए गए. कुछ समय के जांच के बाद एक्ट्रेस को पुलिस ने क्लीन चिट दे दी थी. पुलिस ने तो क्लीन चिट दे दिया लेकिन अब एक्ट्रेस को काम नहीं मिल रहा था. इसके बाद एक्ट्रेस ने फिल्म निर्माता रोहित मित्तल से शादी रचा ली. हालांकि ये शादी भी टिक नहीं सकी. 9 साल बाद ये दोनों अलग हो गए.

ओटीटी एक्ट्रेस बन गईं

साल 2022 में एक्ट्रेस ने इंडिया लॉकडाउन फिल्म में काम किया था. वहीं एक्ट्रेस अब ओटीटी सीरीज में नजर आती हैं. वहीं एक्ट्रेस सीरीज ऊप्स! अब क्या प्रोजेक्ट पर काम कर रहीं हैं. एक्ट्रेस के कमबैक से उनके फैंस बहुत ज्यादा खुश हैं. वहीं एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं और फोटोज भी शेयर करती हैं.

पुणे में संत तुकाराम फिल्म के शो रद्द

निर्देशक बोले- हमें नुकसान हुआ

आदित्य ओम की 'संत तुकाराम' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। वहीं, पुणे में फिल्म का विरोध देखने को मिला। संत तुकाराम संस्थान की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद पुणे में फिल्म के शो रद्द कर दिए गए हैं। इस घटना को लेकर फिल्म के निर्देशक का बयान सामने आया।

फिल्म के निर्देशक आदित्य ओम ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा, पुणे शहर में संत तुकाराम के शो रद्द हुए हैं। संत तुकाराम संस्थान की आपत्तियों के बाद पुणे पुलिस ने एक एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में सिनेमाघरों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सावधानी बरतने को कहा गया है। इसके चलते, ज्यादातर सिनेमाघरों ने फिल्म के शो रद्द करने का फैसला लिया है। आदित्य ने आगे बताया, फिल्म को सेंसर बोर्ड ने बिना किसी कट के यू सर्टिफिकेट दिया था। इसके बावजूद, शो रद्द होने से निर्माताओं को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि फिल्म को पूर्ण भक्ति और संत तुकाराम के मूल्यों व शिक्षाओं को फैलाने के उद्देश्य से बनाया गया है। संत तुकाराम 17वीं सदी के संत-कवि तुकाराम के जीवन और उनकी भक्ति से भरी अभंग रचनाओं पर आधारित है। यह फिल्म उनके आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान को दिखाती है। फिल्म में आदित्य ओम के साथ सुबोध भावे, अरुण गोविल, शिशिर शर्मा, संजय मिश्रा, शिवा सूर्यवंशी, शीना चौहान, हेमंत पांडे, गणेश यादव, ललित तिवारी, मुकेश भट्ट, गौरी शंकर, ट्विंकल कपूर, रूपाली जाधव और डीजे अकबर सामी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। कर्जन फिल्म्स और

फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज लेकर आ रही रश्मिका

➤ कहा- बस थोड़ा और इंतजार...

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना काफी समय से हिंट दे रही हैं कि उनके पास फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज है। आखिर क्या है यह सरप्राइज? इस पर एक्ट्रेस ने बताया कि वह इसका खुलासा करेंगी।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की, जिसमें वह कहती दिख रही हैं, मुझे यकीन नहीं हो रहा कि मैं आखिरकार ये बात रिकॉर्ड कर रही हूं। जैसा कि आप सभी जानते ही होंगे कि मैं अपने दिल के बहुत करीब किसी चीज पर काम कर रही हूं। यह सिर्फ प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि कुछ ऐसा है, जिसमें मैंने दिन-रात एक किए हैं, खासकर फैंस के लिए, जो सालों से मुझे प्यार और सपोर्ट कर रहे हैं। इस वीडियो के जरिए मैं फैंस के साथ उस खास चीज का एक छोटा हिस्सा शेयर कर रही हूं। रश्मिका ने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि फैंस इस चीज को महसूस करेंगे और प्यार करेंगे। मैं इसे फैंस के साथ शेयर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यह सोमवार को लॉन्च हो रहा है और मैं बहुत खुश, थोड़ी नर्वस और बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कुछ खास बात अपने तक कुछ समय से छुपाए रख रही हूं। यकीन मानिए, यह आसान नहीं है, क्योंकि मैं यह सब अपने फैंस के साथ शेयर करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। बस थोड़ा और इंतजार करो। हाल ही में रश्मिका ने बताया कि वह जल्द ही अपना नया बिजनेस शुरू करने वाली हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी मम्मी के साथ हुई बातचीत का एक वीडियो साझा किया था। वीडियो में रश्मिका अपनी मां से कहती हैं, आज मैं एक बहुत ही खास काम के लिए जा रही हूं, जो आपने कहा था, ये वही बिजनेस है, जो मैं शुरू करने वाली हूं। इसके बाद रश्मिका को प्रोत्साहित करते हुए उनकी मां कहती हैं, तुम अच्छा काम करो, तुम्हें अच्छा ही मिलेगा।

खुल गया 51 साल की मलाइका अरोड़ा के यंग रहने का राज, स्किन केयर रूटीन जानकर होगी हैरानी

मलाइका अरोड़ा बॉलीवुड में हिट आइटम डांस के अलावा अपनी ब्यूटी, फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में इस एक्ट्रेस ने अपना स्किन केयर रूटीन फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस रूटीन से उनके यंग रहने का राज भी खुल गया है। मलाइका अरोड़ा अपने इंस्टाग्राम पेज अक्सर अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। इन तस्वीरों में 51 साल की मलाइका की फिटनेस, यंग स्किन देखकर फैंस को हैरान होती है। फैंस ने एक्ट्रेस को जमकर वर्कआउट करते तो देखा है। मगर उनके ब्यूटी सीक्रेट के बारे में नहीं जानते हैं। हाल ही में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपना स्किन केयर रूटीन शेयर किया है। सिंपल-ईजी है मलाइका का स्किन केयर रूटीन

मलाइका का स्किन केयर रूटीन बड़ा सिंपल है। वह मेकअप करने से पहले इसे फॉलो करती हैं। वह सबसे पहले चेहरे पर ऑयल लगाती हैं और फिर एक फेस रोलर से स्किन की मसाज करती हैं। इसके बाद अपनी आंखों के नीचे आई मास्क लगाती हैं। इसके बाद एक मिनी फैन (पंखे) से अपना चेहरा ड्राय करती हैं। इस स्किन केयर रूटीन के बाद ही वह अपना मेकअप करती हैं। इससे प्रोसेस से ही उनकी स्किन टाइट रहती हैं, ग्लो करती है।

मलाइका की खूबसूरती के कायल हुए फैंस

मलाइका अरोड़ा के इस स्किन केयर रूटीन, मेकअप से पहले की तैयारी को फैंस ने भी पसंद किया है। कई यूजर्स ने मलाइका की सुंदरता को सराहा है। एक यूजर लिखती हैं, 'आपको मेकअप की जरूरत नहीं, आप नेचुरल ब्यूटी हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप ऐसी वीडियो शेयर करती रहें।' कई यूजर्स ने मलाइका की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में 'ब्यूटीफुल' लिखा है।

इन प्रोजेक्ट्स में नजर आईं मलाइका

सलमान खान की फिल्म 'दबंग' में 'मुन्नी बदनाम हुई' आइटम सॉन्ग के कारण मलाइका को आज भी याद किया जाता है। वह कई डांस रियलिटी शो को भी जज करती हैं। पिछले साल एक मराठी फिल्म 'एक नंबर' में स्पेशल अपीयरेंस मलाइका ने किया था।

आकांक्षा पुरी ने तोड़ी चुप्पी, बताया खेसारी लाल यादव हैं दिल के सबसे करीब

भोजपुरी के टॉप स्टार्स में शुमार खेसारी लाल यादव का लंबे समय से आकांक्षा पुरी के साथ नाम जोड़ा जा रहा है। इनकी नजदीकियां भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

ये चर्चाएं इतनी ज्यादा हैं कि आखिरकार आकांक्षा पुरी को खेसारी संग अपने रिश्ते को लेकर चुप्पी तोड़नी पड़ी। अफेयर की अफवाहों और चर्चाओं के बीच आखिरकार उन्होंने अपनी बात सामने रखी। जब भी दोनों को साथ देखा जाता, तो फैंस सवाल उठाने लगते हैं कि क्या दोनों का अफेयर चल रहा है? बता दें कि खेसारी शादीशुदा हैं, उनकी पत्नी का नाम चंदा देवी है। खेसारी भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले ही चंदा के साथ शादी कर चुके थे। उनके दो बच्चे हैं, बेटी कृति यादव और बेटा ऋषभ यादव। ऐसे में दोनों का अक्सर साथ में दिखना फैंस को बेहद अजीब लग रहा है, और वे अफेयर होने का शक जता रहे हैं। इस मामले में आकांक्षा ने साफ शब्दों में कहा कि उनके और खेसारी के बीच गहरी दोस्ती है, जो उनके दिल के बहुत करीब है। आकांक्षा ने बताया कि वह खेसारी को सिर्फ एक कलाकार नहीं बल्कि एक खास इंसान मानती हैं। उन्होंने आगे कहा कि चाहे लोग कुछ भी कहें, खेसारी के लिए उनका प्यार कभी कम नहीं होगा। उनके रिश्ते में जो सम्मान है, वह हमेशा बना रहेगा। एक इंटरव्यू में आकांक्षा ने कहा, खेसारी मेरे लिए बहुत स्पेशल हैं, मेरे दिल के बहुत करीब हैं और हमेशा रहेंगे। फैंस कुछ भी बोलें मुझे उससे कोई लेना देना नहीं है। एक कलाकार होने के नाते मैं दूसरे कलाकार का सम्मान करती हूं और जहां दोस्ती की बात आती है, उनके साथ रिश्ता सिर्फ काम से जुड़ा नहीं है, उससे बहुत पहले से है। उन्होंने आगे कहा, फैंस क्या बोलते हैं, उनकी मर्जी है, लेकिन खेसारी जी से मैं बहुत प्यार करती हूं, एक कलाकार के तौर पर हमेशा करूंगी। वह मेरे लिए बहुत खास हैं।

हंसिका मोटवानी की शादी में दरार आई!

● सोहेल से अलग रहने की अफवाहें तेज, एक्ट्रेस के पति ने रिएक्शन दिया

एक्ट्रेस हंसिका मोटवानी और उनके पति सोहेल कथुरिया की शादी को अभी करीब ढाई साल ही हुए हैं, लेकिन अब दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं हो रही हैं। दोनों को लेकर खबरें हैं कि वो इस वक्त एक साथ नहीं रह रहे हैं। बात करते हुए एक सूत्र ने बताया कि हंसिका अब अपनी मां के साथ रह रही हैं, जबकि सोहेल अपने माता-पिता के साथ रह रहे हैं। दिसंबर 2022 में शादी के बाद शुरुआत में हंसिका ने सोहेल के परिवार के साथ ही रहना शुरू किया था, लेकिन बड़े परिवार के साथ एडजस्ट करना थोड़ा मुश्किल हो गया। इसलिए दोनों ने उसी बिल्डिंग में एक अलग फ्लैट ले लिया। अब खबर है कि उनके बीच फिर भी परेशानी बनी हुई है।

वहीं, जब हंसिका से बात करने की कोशिश की गई, तो उनका कोई जवाब नहीं मिला। जबकि उनके पति सोहेल ने सिर्फ एक टेक्स्ट भेजा कि ये सच नहीं है, लेकिन जब उनसे पूछा गया कि कौन-सी बात झूठ है अलग रहना या रिश्ता टूटना तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

बता दें कि हंसिका और सोहेल की शादी जयपुर के एक किले में हुई थी। दोनों की शादी इसलिए भी चर्चा में थी क्योंकि यह खबरें थीं कि सोहेल की पहली पत्नी रिंकी बजाज, हंसिका की अच्छी दोस्त थीं। हालांकि, हंसिका और सोहेल ने बाद में साफ किया था कि वे पहले से ही एक-दूसरे को जानते थे क्योंकि सोहेल, हंसिका के भाई के दोस्त हैं। हंसिका ने अपने करियर की शुरुआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट टीवी शो शाका लाका बूम बूम से की। इसके बाद वह देश में निकला होगा चांद और ऋतिक रोशन की फिल्म कोई... मिल गया में भी नजर आईं।

वहीं, हंसिका ने 2007 में तेलुगु फिल्म देशमुदुरु से लीड एक्ट्रेस के रूप में डेब्यू किया, जो सुपरहिट रही। इसके बाद उन्होंने कंत्री, मस्का, और 2011 में तमिल फिल्म मैपिल्लै से कोलिवुड में कदम रखा।

साभार एजेंसी

आप जैसा कोई के BTS में आर. माधवन की एक-टेक प्रतिभा वह सीन जिसने फिल्म को बना दिया खास

'आप जैसा कोई' के हालिया बीटीएस वीडियो में एक सम्मोहित कर देने वाले वन-टेक सीन में, पैन-इंडिया पॉवर-हाउस आर. माधवन फ्रेम और दर्शकों की साँसें थाम लेते हैं – हाथों में केवल एक सितार और आँखों में एक भावनाओं का तूफ़ान। आर. माधवन और फातिमा सना शेख इस दृश्य में एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली जुगलबंदी रचते हैं, जहाँ संगीत और भावना की सीमाएँ धुंधली पड़ जाती हैं। यह सीन एक सतत, बिना किसी कट के टेक में शूट किया गया है। इस पल आर. माधवन के शांत बैठे होने, उनके हाथों द्वारा सहजता से सितार पर नियंत्रण रखने और ऐसे स्वर निकालने के साथ घटित होता है जो मानो कहीं दूर गहराई से गूँज रहे हों। सबसे ख़ास बात है आर. माधवन का सितार पर नियंत्रण, सिर्फ़ एक वाद्य यंत्र की तरह नहीं, बल्कि उनके किरदार श्रीरेणु की आत्मा का विस्तार हो। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इस दृश्य के लिए माधवन ने विशेष रूप से सितार बजाना सीखा – उनके परफॉर्मेंस को यह वास्तविकता और भी प्रामाणिक बनाती है। यह सीन बिना किसी कट या एडिट के सीधे दिल से जुड़ता है, जहाँ माधवन का अभिनय पूरी तरह केंद्र में है। उन्होंने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जब आप पूरा फोकस एक ही टेक में सही करने पर लगाते हैं और खुद को भी चौंका देते हैं। डीओपी के इशारों के साथ कैमरा आर. माधवन और फातिमा के बीच सहजता से चलता है, और उनके बीच की केमिस्ट्री को बखूबी कैद करता है। हर नज़र की हल्की सी हरकत, हर साँस का उतार-चढ़ाव– कैमरा उस भावनात्मक तनाव को पकड़ता है, जो बिना कहे ही सब कुछ कह जाता है।